Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्याः-एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

मंत्र भारत

संस्करण : लखनऊ
वर्ष : 11
अंक : 221
पृष्ठ : 6
मूल्य : 1.00

लखनऊ-मंगलवार ,09 दिसम्बर 2025

लखनऊ, प्रयागराज,ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 गर्लफ्रेंड ने लिव-इन पार्टनर को मार डाला,2 बेटियों के साथ मिलकर चाकू से गला रेता | 4 अव्यवस्था का मोदी मॉडल | 5 स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं कनिका कपूर, अचानक शख्स ने किया

घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज

सीएम योगी ने की अपील, कहा,सतर्क रहें

■ संसाधनों पर अधिकार नागरिकों का है, घुसपैठियों का नहीं ■ अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध सघन अभियान शुरू

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नागरिकों से अपील की कि वे सतर्क रहें और घरेलू अथवा व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने से पहले उसकी पहचान अवश्य सत्यापित करें। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सुदृढ़ कानून-व्यवस्था सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि राज्य में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी घुसपैठियों के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यह अपील ऐसे समय में की है, जब उनके निर्देश पर पिछले सप्ताह से पूरे प्रदेश में घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। उन्होंने सोमवार सुबह एक्स पर एक पोस्ट में उच्चतम न्यायालय की हालिया टिप्पणी का उल्लेख करते हुए कहा, उच्चतम न्यायालय ने सुनवाई के दौरान अत्यंत महत्वपूर्ण टिप्पणी की है कि घुसपैठियों के लिए लाल कालीन नहीं बिछाया जा सकता। इससे स्पष्ट है कि घुसपैठिए किसी भी कीमत पर स्वीकार्य नहीं हैं। सीएम योगी ने कहा कि संसाधनों पर अधिकार नागरिकों का है, घुसपैठियों का नहीं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि राज्य की सुरक्षा और सामाजिक संतुलन बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध सघन अभियान शुरू किया गया है तथा सभी शहरी स्थानीय निकायों को संदिग्ध विदेशी नागरिकों की पहचान कर सूची तैयार करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक संसाधनों पर अनधिकृत बोझ हटाना आवश्यक है और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को वंचितों तक पहुंचने से रोका नहीं जा सकता, इसी उद्देश्य से दस्तावेज सत्यापन का विशेष अभियान चलाया जा रहा है और पहचाने गए घुसपैठियों को आगे की कार्रवाई के लिए निरुद्ध केंद्र भेजा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर मंडल में ऐसे केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं। जनता से अपील करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि घरेलू या व्यावसायिक कार्यों में किसी भी व्यक्ति को नियुक्त करने से पहले उसकी पहचान अवश्य सत्यापित करें। उन्होंने कहा, राज्य की सुरक्षा हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, क्योंकि सुरक्षा ही समृद्धि की नींव है। उच्चतम न्यायालय ने भारत में रह रहे रोहिंग्या को लेकर कानूनी स्थिति पर सवाल उठाते हुए दो दिसंबर को पूछा था कि जब देश के अपने नागरिक ही गरीबी से जूझ रहे हैं, तो घुसपैठियों को लाल कालीन बिछाकर स्वागत क्यों दिया जाए।

राज्यसभा में बोले नागर विमानन मंत्री नायडू

इंडिगो के खिलाफ जांच जारी, एयरलाइन पर करेंगे कड़ी कार्रवाई

नईदिल्ली। राज्यसभा में सोमवार को नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने कहा कि सरकार ने इंडिगो की बड़े पैमाने पर उड़ान रद्द किए जाने के संबंध में जांच शुरू कर दी है और एयरलाइन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी ताकि अन्य एयरलाइनों के लिए उदाहरण पेश किया जा सके। उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न का जवाब देते हुए नायडू ने इंडिगो एयरलाइंस को उसके दिन-प्रतिदिन के संचालन के दौरान चालक दल और ड्यूटी रोस्टर को प्रबंधित करने में विफल करार दिया। उन्होंने कहा, हम इस स्थिति को हल्के में नहीं ले रहे हैं। हम एक जांच कर रहे हैं। हम न केवल इस मामले में बल्कि एक मिसाल पेश करने के लिए भी बहुत, बहुत कड़ी कार्रवाई करेंगे।

कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने पूरक प्रश्न पूछते हुए यह जानना चाहा कि क्या इंडिगो संकट ऑटोमैटिक मैसेज स्विचिंग सिस्टम (एएमएसएस) में गलती के कारण हुआ था? यह एक तकनीकी समस्या है जिसने नवंबर 2025 की शुरूआत में उड़ान सेवाओं को बाधित किया था।विमानन मंत्री ने स्पष्ट किया कि इंडिगो संकट एएमएसएस से संबंधित नहीं था बल्कि इंडिगो की आंतरिक क्रू रोस्टर प्रणाली में विसंगतियों और कुप्रबंधन के कारण हुआ था। अप्रैल 2025 के उच्च न्यायालय के आदेश के बाद तैयार किए गये नये उड़ान ड्यूटी समय पाबंदी (एफडीटीएल) दिशानिर्देश की विस्तार से जानकारी देते हुए नायडू ने कहा कि कुल 22 एफडीटीएल दिशानिर्देश थे।

एससी ने उड़ानें रद्द मामले में याचिका पर तत्काल सुनवाई से किया इनकार, कहा- सरकार कर रही कार्रवाई

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने इंडिगो की ओर से सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में न्यायिक हस्तक्षेप के अनुरोध वाली याचिका पर सोमवार को तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया और कहा कि केंद्र ने स्थिति का संज्ञान लिया है और इसके समाधान के लिए कदम उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि वह इस तथ्य से अवगत है कि लाखों लोग विभिन्न हवाई अड्डों पर परेशानी झेल रहे हैं।प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने कहा, यह एक गंभीर मामला है। लाखों लोग हवाई अड्डों पर परेशानी झेल रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत सरकार ने समय पर कार्रवाई की है और इस मुद्दे का संज्ञान लिया है। हम समझते हैं कि लोगों को स्वास्थ्य संबंधी और अन्य महत्वपूर्ण समस्याएं हो सकती हैं। एक वकील ने इस मुद्दे का उल्लेख किया और कहा कि पिछले कुछ दिनों में इंडिगो द्वारा कई उड़ानें रद्द की गई हैं और यात्रियों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। उन्होंने कहा, ह्लउड़ानों के रद्द होने की सूचना यात्रियों को नहीं दी गई। उन्होंने यह भी कहा कि देशभर के 95 हवाई अड्डों पर लगभग 2,500 उड़ानों में देरी के कारण यात्रियों को परेशानी हो रही है। सूत्रों ने बताया कि इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान सातवें दिन भी जारी रहा और सोमवार को विमानन कंपनी ने दिल्ली और बेंगलुरु हवाई अड्डों से 250 से अधिक उड़ानें रद्द कर दीं। दिल्ली हवाई अड्डे से कुल 134 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें रवाना होने वाली 75 और पहुंचने वाली 59 उड़ानें शामिल हैं। बेंगलुरु हवाई अड्डे से 127 उड़ानें रद्द की गईं, जिनमें रवाना होने वाली 62 और पहुंचने वाली 65 उड़ानें शामिल हैं। इंडिगो दो दिसंबर से सैकड़ों उड़ानें रद्द करने को लेकर सरकार और यात्रियों दोनों की तीखी आलोचना झेल रही है। कंपनी ने इसके लिए पायलटों की नयी उड़ान ड्यूटी और नियमों में बदलाव का हवाला दिया है।

सार संक्षेप

दिल्ली की वायु गुणवत्ता में कोई सुधार नहीं, एक्यूआई पहुंचा 318

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 318 दर्ज किया गया जो बहुत खराब श्रेणी में आता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर ऐप के अनुसार, दिल्ली के 27 केंद्रों में एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया जबकि 11 केंद्रों में एक्यूआई खराब श्रेणी में था। सीपीसीबी के मानकों के अनुसार, शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 संतोषजनक, 101 से 200 मध्यम, 201 से 300 खराब, 301 से 400 बहुत खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई गंभीर माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को कोहरे का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। दिल्ली में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.9 डिग्री कम है तथा सुबह सापेक्ष आर्द्रता 100 प्रतिशत तक पहुंच गई। अधिकतम तापमान के 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

मोटर वाहन की खुदरा बिक्री में नवंबर में तेजी बरकरार

नई दिल्ली। त्योहारों के बाद मोटर वाहनों की खुदरा बिक्री में तेजी बनी रही और नवंबर में पंजीकरण में सालाना आधार पर दो प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसे यात्री वाहनों, तिपहिया वाहनों, वाणिज्यिक वाहनों और ट्रैक्टर की मजबूत मांग से बल मिला। वहान डीलर के संगठन फाडा ने सोमवार को यह जानकारी दी। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार, नवंबर 2024 में 32,31,526 इकाइयों की तुलना में पिछले महीने कुल खुदरा बिक्री बढ़कर 33,00,832 इकाई हो गई। पिछले साल दीपावली एवं धनतेरस अक्टूबर के अंत में पड़े थे और वाहनों का पंजीकरण नवंबर में हुआ था, जिससे बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। फाडा के अध्यक्ष सी. एस. विग्नेश्वर ने बयान में कहा, जीएसटी दरों में कटौती और मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के डीलर द्वारा की जा रही खुदरा पेशकशों से ग्राहकों ने खरीद की योजना बनाई जिससे त्योहारों के बाद भी ग्राहकों की संख्या में लगातार बढ़ती रही। विभिन्न श्रेणियों में कीमतों में कटौती से अक्टूबर में अच्छी खरीदारी हुई और नवंबर में भी ग्राहकों की संख्या में बढ़ोतरी जारी रही। उन्होंने कहा कि नवंबर 2025 में त्योहारों के बाद की पारंपरिक मंदी को दरकिनार कर दिया गया तथा पिछले वर्ष के असामान्य रूप से उच्च तुलनात्मक आधार के बावजूद मजबूत प्रदर्शन किया गया।

संसद में वंदे मातरम पर चर्चा

मुस्लिम लीग के दबाव में कांग्रेस ने वंदे मातरमपर किया समझौता: पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को लोकसभा में दावा किया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कांग्रेस अध्यक्ष रहते हुए मुस्लिम लीग के दबाव में वंदे मातरम् के टुकड़े कर दिए गए। उन्होंने यह भी कहा, कांग्रेस वंदे मातरम् के बंटवारे पर झुकी, इसलिए उसे एक दिन भारत के बंटवारे के लिए झुकना पड़ा। मोदी ने सदन में राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चर्चा की शुरूआत करते हुए 1975 में देश में लगाए गए आपातकाल का हवाला दिया और कहा कि जब राष्ट्रीय गीत के 100 वर्ष पूरे हुए, तब देश आपातकाल की जंजीरों में जकड़ा हुआ था और संविधान का गला घोंट दिया गया था। उन्होंने कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा, जब आजादी को कुचलने की कोशिश हुई, संविधान की पीठ पर छुरा घोंप दिया गया और देश पर आपातकाल थोप दिया गया, तब इसी वंदे मातरम ने देश को खड़ा कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि जब मोहम्मद अली जिन्ना ने वंदे मातरम के विरोध का नारा बुलंद किया तो तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष नेहरू ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस को पत्र लिखा और उसमें जिन्ना की भावना से सहमति जताते हुए कहा कि वंदे मातरम की आनंद मठ की पृष्ठभूमि मुसलमानों को इरिटेट (क्षुब्ध) कर सकती है। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने वंदे मातरम पर समझौता कर लिया और इसके टुकड़े कर दिए और इसके लिए सामाजिक सद्भाव का हवाला दिया गया। प्रधानमंत्री ने कहा, वंदे मातरम के टुकड़े करने के फैसले में नकाब यह पहना गया कि यह तो सामाजिक सद्भाव का काम है। लेकिन, इतिहास इस बात का गवाह है कि कांग्रेस ने मुस्लिम लीग के सामने घुटने टेक दिए और मुस्लिम लीग के दबाव में यह किया गया। यह कांग्रेस का तुष्टीकरण की राजनीति को साधने का एक तरीका था। मोदी ने कहा, दुर्भाग्य से कांग्रेस की नीतियां आज वैसी की वैसी ही हैं और आज आईएनसी चलते-चलते एमएमसी हो गया है। प्रधानमंत्री ने गत 14 नवंबर को बिहार विधानसभा चुनाव के बाद राजग की जीत के बाद अपने भाषण में कांग्रेस के लिए एमएमसी (मुस्लिम-लीगी माओवादी कांग्रेस) शब्द का इस्तेमाल किया था। मोदी ने कहा, वंदे मातरम् सिर्फ राजनीतिक लड़ाई का मंत्र नहीं था। सिर्फ अंग्रेज जाएं और हम अपनी राह पर खड़े हो जाएं, वंदे मातरम्-सिर्फ यहां तक सीमित नहीं था। यह आजादी की लड़ाई थी, इस मातृभूमि को मुक्त कराने की जंग थी। मां भारती को उन बेड़ियों से मुक्त कराने की एक पवित्र जंग थी। उनका कहना था, अंग्रेज समझ चुके थे कि 1857 के बाद भारत में लंबे समय तक टिक पाना उनके लिए मुश्किल होता जा रहा है। जिस प्रकार के सपने लेकर वे आए थे, उन्हें यह साफ दिखने लगा कि जब तक भारत को बांटा नहीं जाएगा, लोगों को आपस में लड़ाया नहीं जाएगा, तब तक यहां राज करना कठिन है। तब अंग्रेजों ने बांटो और राज करो का रास्ता चुना, और उन्होंने बंगाल को इसकी प्रयोगशाला बनाया। मोदी ने कहा, जिस मंत्र ने, जिस जयघोष ने देश की आजादी के आंदोलन को ऊर्जा और प्रेरणा दी थी, त्याग और तपस्या का मार्ग दिखाया था।

राज्यसभा में हंगामा: टोल जाम, सर्वाइकल कैंसर और धरोहर स्थलों की बदहाली पर सांसदों ने घेरा सरकार को

नई दिल्ली। टोल प्लाजा पर जाम, सर्वाइकल कैंसर, यूनेस्को धरोहर स्थलों में बुनियादी सुविधाओं की कमी सहित विभिन्न मुद्दे शून्यकाल के दौरान उठाते हुए राज्यसभा में सोमवार को विभिन्न सदस्यों ने सरकार से इनके समाधान की मांग की। टोल प्लाजा का मुद्दा उठाते हुए शून्यकाल के दौरान आम आदमी पार्टी के राघव चड्ढा ने कहा कि अलग अलग तरीके से कई बार टैक्स देने के बाद भी राजमार्ग पर गाड़ी चलाने पर टोल टैक्स देना पड़ता है और सड़कों की हालत इतनी खराब होती है कि हजारों लोग हर साल दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं। उन्होंने कहा कि केरल उच्च न्यायालय ने हाल ही में एनएचएआई को फटकार लगाई थी। चड्ढा ने कहा कि इतना पैसा दे कर भी टोल प्लाजा पर जाम के कारण तीस से चालीस मिनट तक लाइन में लगना

पड़ता है। इसकी वजह से भी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कहीं परीक्षा देने जाना है तो देर होती है। अगर किसी को अस्पताल जाना है तो देर होती है। इंटरव्यू है तो देर होती है। इस जाम की वजह से और भी समस्याएं होती हैं। उन्होंने मांग की सरकार ऐसे नियम बनाएं कि तीस मिनट से अधिक कोई टोल प्लाजा पर जाम में खड़ा है तो उसकी गाड़ी को बिना शुल्क लिए गुजरने देना चाहिए। बीजू जनता दल की सुलता देव ने महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर का मुद्दा उठाया और कहा कि सर्वाइकल कैंसर का कारण ूमन पैपिलोमा वायरस है। उन्होंने कहा कि हमारा सामाजिक ढांचा इस प्रकार का है कि महिलाएं आज भी कई तरह की रूढ़ियों से नहीं निकल पातीं और अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान नहीं दे पातीं। सुलता ने कहा कि कैंसर का इलाज बेहद महंगा होता है ।

ममता ने पीएम मोदी के वंदे मातरम पर दिए गए वक्तव्य की आलोचना की

भाजपा इस मामले का बेवजह राजनीतिकरण कर रही

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वंदे मातरम पर दिए गए वक्तव्य की आलोचना की। पीएम मोदी ने अपने भाषण में कवि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंदे मातरम के सिर्फ एक हिस्से को भारतीय राष्ट्रीय गीत के तौर पर शामिल करने की बात कही थी। ममता ने दावा किया कि भाजपा इस मामले का बेवजह राजनीतिकरण कर रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कूचबिहार जाने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा, यह गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर थे, जिन्होंने राष्ट्रीय गीत के लिए वंदे मातरम के हिस्से को चुना था। भाजपा को उस पर भी

आपत्ति थी। उन्हें हर बात पर आपत्ति है। कभी वे गुरुदेव का विरोध करते हैं, और कभी वे नेताजी सुभाष चंद्र बोस का विरोध करते हैं।दूसरी तरफ, इंडिगो संकट पर टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय की योजना की कमी यात्रियों की परेशानी के लिए जिम्मेदार है। मैंने देखा है कि पिछले कुछ दिनों से फ्लाइट में गड़बड़ी के कारण यात्रियों को बहुत मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इसके लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि योजना की बिल्कुल कमी थी। मुझे लगता है कि यात्रियों को हुई दिक्कतों के कारण कोर्ट जाने का उनका अधिकार है, अगर केंद्र सरकार सही से काम करती तो आज यात्रियों को परेशान न होना पड़ता। उन्होंने यात्रियों को एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए दूसरे विकल्प चुनने के सुझाव पर भी सवाल उठाया और पूछा कि यह कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि असल में, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार आम लोगों के बारे में नहीं सोचती। वे हमेशा चुनाव नतीजों के बारे में सोचते हैं।दरअसल, वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान सोमवार को पीएम मोदी ने लोकसभा में कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि पार्टी ने मुस्लिम लीग के दबाव में राष्ट्रीय गीत को तोड़ा और उनके सामने घुटने टेक दिए।

झारखंड विधानसभा सत्र :सरकार ने 7721 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट पेश किया,

रांची। झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन सोमवार को सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 7721 करोड़ रुपये का दूसरा अनुपूरक बजट सदन में पेश किया। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक स्थगित कर दी गई। इसके पहले सत्र की शुरूआत होते ही विपक्ष के विधायक राज्य में छात्रवृत्ति का भुगतान नहीं किए जाने पर सदन के वेल में घुसकर हंगामा करने लगे। इसपर सत्ता पक्ष के विधायक भी वेल में पहुंच गए और जमकर हंगामा करने लगे। लगातार हो रही नारेबाजी और हंगामे को लेकर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने नाराजगी जताई।उन्होंने कहा कि अगर सदन में शोर-शराबा ही होना है, तो सर्वदलीय बैठक और कार्य मंत्रणा समिति की बैठकों का कोई महत्व नहीं रह जाता। अध्यक्ष की अपील के बावजूद विपक्षी सदस्य शांत नहीं हुए, जिसके बाद कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। 12 बजे दोबारा सदन की कार्यवाही शुरू हुई तो शून्यकाल में भाजपा विधायक दल के नेता बाबूलाल मरांडी ने छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति नहीं मिलने और किसानों की धान की सरकारी खरीद न होने का मुद्दा उठाया।उन्होंने कहा कि कई महीनों से छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। वे फीस जमा करने के लिए होटल में प्लेट धोने का काम कर रहे हैं। इस पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसान धान काटकर घर ले आए हैं और मजबूरन उन्हें बिचौलियों को 15-16 रुपए किलो धान बेचना पड़ रहा है। सबसे पहले इस पर चर्चा की जानी चाहिए।

राजनाथ सिंह के निशाने पर आई कांग्रेस

वंदे मातरम स्वंय में पूर्ण, अपूर्ण बनाने की कोशिश की गई

नई दिल्ली: शीतकालीन सत्र में वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- वंदे मातरम् ने ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने के लिए हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को काफी ताकत दी। वंदे मातरम्-गीत से सदियों से सोया हमारा भारत जाग गया था। शीतकालीन सत्र के दौरान सोमवार को लोकसभा में वंदे मातरम पर चर्चा की गई। सदन में चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर जमकर हमला बोला। राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि वंदे मातरम के साथ इतिहास का एक बड़ा छल हुआ। इस अन्याय के बावजूद वंदे मातरम का महत्व कभी कम नहीं हो पाया। ' वंदे मातरम सिर्फ एक शब्द नहीं था, यह एक भावना थी' वंदे मातरम पर चर्चा के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज जब हम वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, तो पीएम मोदी ने इसके बारे में बात की है और इस चर्चा की एक खूबसूरत शुरूआत की है। वंदे मातरम भारत के वर्तमान, अतीत और भविष्य का हिस्सा है। इसने हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को ब्रिटिश शासकों के खिलाफ खड़े होने और लड़ने की ताकत दी। यह एक ऐसा गीत है जिसने हमारे देश को जगाया और प्रेरणा का स्रोत बना। यह गीत ब्रिटिश संसद तक भी पहुंचा। राजनाथ सिंह ने कहा, 1906 में भारत का पहला झंडा डिजाइन किया गया था और उस झंडे के बीच में वंदे मातरम लिखा हुआ था, जिसे पहली बार बंगाल में फहराया गया था। अगस्त 1906 में लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए वंदे मातरम नाम का एक अखबार भी लॉन्च किया गया था। यह वह समय था जब वंदे मातरम सिर्फ एक शब्द नहीं था, यह एक भावना थी, प्रेरणा का स्रोत था, और एक कविता थी। राजनाथ सिंह ने कहा, वंदे मातरम सिर्फ बंगाल तक सीमित नहीं था; इसका इस्तेमाल पूरब से पश्चिम तक होता था और सिर्फ भारत में ही नहीं, भारत के बाहर भी लोग इसे गाते थे। राजनाथ सिंह ने बंगाल की संस्कृति का जिक्र करते हुए वंदे मातरम की पंक्तियों की व्याख्या भी की। उन्होंने कहा कि बंकिम चंद्र चटोपाध्याय की इस रचना में कहीं भी मूर्ति पूजा पर जोर नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम को तुष्टीकरण के लिए इस्तेमाल किया गया। राजनाथ सिंह ने वर्तमान सरकार के नारे- सबका साथ-सबका विकास और सबका विश्वास का जिक्र करते हुए कहा, हमने इसी भावना से काम किया है।

महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा को सम्बोधित करते हुये अपर महाप्रबन्धक

गोरखपुर,: भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर रेलवे प्रक्षागृह में 08 दिसम्बर,2025 को श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल, प्रमुख मुख्य विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, अनुसूचित जाति एवं जनजाति एसोसियेशन के अध्यक्ष श्री बच्चू लाल, महामंत्री श्री राम प्रकाश तथा अन्य रेलकर्मियों ने बाबा साहब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे कला समिति के कलाकारों द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबन्धक श्री विनोद कुमार शुक्ल ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल,1891 में इन्दौर के पास महू

छावनी (मध्य प्रदेश) के एक निर्धन परिवार में हुआ था। बाबा साहब सामाजिक उत्थान के लिये जीवनपर्यन्त संघर्षरत रहे, शोषित, दलित, महिला व गरीबों एवं वंचितों के उत्थान के लिये जो कुछ भी बाबा साहब ने किया वे आज भी प्रासंगिक है और युगों तक उनकी महत्ता को भुलाया नहीं जा सकता है। बाबा साहब की मृत्यु 06 दिसम्बर,1956 को हुई। उनकी याद में हम सभी इस दिन को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब एक युग प्रवर्तक थे। साथ ही साथ बाबा साहब शिक्षा के

धनी थे, इन्होंने समाज को ह्यशिक्षित बनो, संगठित हो तथा संघर्ष करोह्य का नारा दिया। उन्होंने शिक्षा पर बल दिया। शिक्षित समाज से उनका तात्पर्य डिग्रियाँ प्राप्त करना नहीं था, बल्कि एक समझदार, जागरूक और विचारशील समाज से था जो राष्ट्र की प्रगति में योगदान दे सके। संगठन से बाबा साहब का तात्पर्य था, एक मत होकर एक समान निष्ठा और कर्तव्यबोध के साथ लक्ष्य एवं विकास की तरफ बढ़ना। उन्होंने कहा कि बाबा साहब को भारत का संविधान निमार्ता कहा जाता है। संविधान की रचना तो उनके कार्यों का एक पहलू है, शिक्षा प्राप्त करने की उनकी तपस्या और लगन, शिक्षा द्वारा प्राप्त जागृति तथा मानसिक दृढ़ता हमारे लिये प्रेरणा का स्रोत है। शिक्षा पर सर्वाधिक महत्व देने के परिणामस्वरूप बाबा साहब की सोच, समाज, न्याय, विधि, दर्शन और अर्थशास्त्र पर बहुआयामी व्यक्तित्व प्रस्तुत करता है। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के 70वें महापरिनिर्वाण दिवस पर रेल परिवार की तरफ से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुये कहा कि दलितों के उद्धारक और भारतीय संविधान के प्रमुख शिल्पी भारत रत्न बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर को जातिवाद के कारण बहुधा उपेक्षा एवं अपमान सहना पड़ा था। डा0 भीमराव अम्बेडकर सामाजिक क्रांति के मसीहा थे और अछूतों का उद्धार करना उनके जीवन का लक्ष्य था। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये उन्होंने जाति प्रथा और समाज के परम्परागत विधान पर कठोर प्रहार किया। डा0 भीमराव को अछूतों के प्रति स्नेह तथा उनके महत्वाकांक्षी विचारों के कारण लोग इन्हें बाबा साहब पुकारते हैं। भारत के संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी में बाबा साहब को अध्यक्ष के पद पर नियुक्त किया गया था तथा इस संविधान की रचना में उन्होंने अहम भूमिका निभाई। वर्ष 1947 से 1951 तक वे केन्द्रीय कानून मंत्री रहे।

अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता

गोरखपुर,: रेलवे सुरक्षा बल, पूर्वोत्तर रेलवे द्वारा, रेल सम्पत्ति की सुरक्षा, अवैध सामानों की धर-पकड़, यात्रियों को सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही बचपन बचाओ अभियान के तहत मानव तस्करी की रोकथाम का निरंतर प्रयास किया जाता है। इसी क्रम में 07 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान स्टेशन के प्लेटफार्म सं0 7 व 8 पर 14 वर्ष एवं 13 वर्ष के 02 लड़के तथा 12-12 वर्ष के 04 लड़के कुल 06 लड़के लावारिस हालत में मिले। पूछताछ के उपरान्त सभी 06 लड़का को चाइल्ड लाइन, गोरखपुर को सुपुर्द किया गया। 05 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सीवान को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 02569 में 11 वर्ष एवं 13 वर्ष के 02 लड़के लावारिस हालत में मिले, जिन्हें पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, सीवान को सुपुर्द किया गया। 06 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट कन्नौज को निगरानी के दौरान स्टेशन के यात्री प्रतीक्षालय में 15 वर्ष का एक लड़का लावारिस हालत में मिला, जिसे पूछताछ के उपरान्त चाइल्ड लाइन, कन्नौज को सुपुर्द किया गया। 07 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट प्रयागराज रामबाग को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 12561 से गलती से एक दिव्यांग युवक रेलवे स्टेशन ज्ञानपुर पर उतर गया, जिसे ज्ञानपुर पोस्ट पर लाया गया। पूछताछ के उपरान्त दिव्यांग युवक के परिजन के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उसे सुपुर्द किया गया। मानवीय सहायता के अन्तर्गत 06 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट वाराणसी सिटी द्वारा निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 11062 में एक महिला यात्री को प्रसव पीड़ा होने पर महिला रेलवे डॉक्टर के सहयोग से सुरक्षित प्रसव कराया गया तथा महिला को ईलाज हेतु उसके पति के साथ अस्पताल पहुँचाया गया। 07 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोरखपुर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15132 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे गोरखपुर पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया। 07 दिसम्बर, 2025 को रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गोमतीनगर को निगरानी के दौरान गाड़ी सं0 15114 में यात्री का छूटा एक बैग मिला, जिसे गोमतीनगर पोस्ट पर जमा कराया गया। यात्री के पोस्ट पर उपस्थित होने पर उचित पहचान व सत्यापन के उपरान्त बैग सुपुर्द किया गया।

काशी में दर्शन के सात दलाल अरेस्ट एक मुस्लिम भी

वाराणसीं। वाराणसी कमिश्नरेट की दशाश्वमेध थाने की पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर सात लोगों को अरेस्ट किया है। ये लोग भक्तों से पैसे लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करवाते थे। दलालों में एक मुस्लिम शख्स भी शामिल है। वाराणसी में दर्शन के दलालों के खिलाफ पुलिस ने दूसरे दिन भी कार्रवाई की। दशाश्वमेध पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये लोग काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन कराने के नाम पर धनउगाही करते थे। मनमाना दाम न देने पर भक्तों से दुर्व्यवहार भी किया जाता था। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर यह एक्शन लिया है। इसमें नौ लोगों की टीम लगी थी। एसीपी दशाश्वमेध डॉ. अतुल अंजान त्रिपाठी ने बताया कि इससे पूर्व 33 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। दशाश्वमेध थाना प्रभारी उपेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, गणेश जायसवाल, पुत्र कन्हैया (22 वर्ष, निवासी टेढ़ीनीम), अमन कुमार, पुत्र अशोक (22 वर्ष, हीरावनपुर सिंधौरा) कैलाशनाथ पांडेय, पुत्र स्व. पन्नालाल (40 वर्ष, नई बस्ती, मंडुवाडीह) रितेश पांडेय, पुत्र विनोद (20 वर्ष, बड़ी पियरी) वहीद अहमद, पुत्र वकील (42 वर्ष, बड़ादेव, गोदौलिया) रामबली बिंद, पुत्र बोदेलाल (25 वर्ष, संकुलधारा पोखरा) रवि पांडेय, पुत्र केचुलाल (21 वर्ष, ढेलवरिया पानी टंकी के पास) को गिरफ्तार किया गया है। काल भैरव मंदिर में भी दर्शन कराने वाले हुए थे गिरफ्तार काल भैरव मंदिर में रुपये लेकर दर्शन कराने के मामले में कोतवाली पुलिस ने रविवार को पहली बार 10 आरोपियों को मंदिर परिसर से गिरफ्तार किया। इससे पहले ऐसी कार्रवाई नहीं हुई थी। आरोपियों के खिलाफ शांति भंग सहित अन्य आरोपों में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने दूसरे दलालों को भी चिह्नित किया है। कुछ सेवादारों की भूमिका की भी जांच कराई जा रही है। मंदिर के महंत परिवार और कुछ सेवादारों को कोतवाली में बुलाकर पूछताछ की गई है। इस मुद्दे को रविवार के अंक में प्रमुखता से उठाया गया था।

कानपुर के गौरव खन्ना ने जीता बिग बॉस 19 का खिताब

कानपुर। सलमान खान के होस्टिंग वाले बिग बॉस 19 का खिताब कानपुर के गौरव खन्ना ने जीता। सिविल लाइंस के निर्यात कारोबारी के पुत्र गौरव खन्ना को बिग बॉस 19 का खिताब मिला है। उन्हें इससे पहले टीवी सीरियल अनुपमा के एक किरदार से पहचान मिली। अनुपमा में अनुज कपाड़िया का किरदार निभाने से लेकर सेलेब्रिटी मास्टर शेफ बनने के बाद अब बिग बॉस 19 से उन्होंने शहर का नाम रोशन किया है।

95 आपत्तियों का जिला समिति करेगी निस्तारण

बस्ती। माध्यमिक शिक्षा परिषद के परीक्षा केंद्रों में फेरबदल को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। विभाग को विभिन्न केंद्रों को बदलने के लिए 95 आपत्तियां प्राप्त हुई हैं। ज्यादातर आपत्तियां ऑनलाइन दर्ज कराई गई है। जिला स्तरीय समिति इन आपत्तियों का निस्तारण करेगी। अभी डीएम की अध्यक्षता में बैठक की तिथि नहीं तय हो पाई है। अगले एक- दो दिन में उम्मीद हैं कि बैठक करके इन आपत्तियों का निस्तारण कर दिया जाएगा।

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर दिल्ली एवं मुम्बई के लिए निम्नलिखित 04 जोड़ी विशेष गाड़ियों का संचलन निम्नवत किया जायेगा

गोरखपुरः रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग पर दिल्ली एवं मुम्बई के लिए निम्नलिखित 04 जोड़ी विशेष गाड़ियों का संचलन निम्नवत किया जायेगा। 05581 गोरखपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनस विशेष गाड़ी 09 दिसम्बर, 2025 को गोरखपुर से 23.25 बजे प्रस्थान कर दूसरे दिन बस्ती से 00.32 बजे, गोंडा से 02.00 बजे, गोमती नगर से 04.35 बजे, बादशाहनगर से 05.10 बजे, ऐशबाग से 05.55 बजे, कानपुर सेंट्रल से 07.55 बजे, उरई 10.20 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झाँसी) से 13.20 बजे, बीना से 16.40 बजे, रानी कमलापति से 19.25 बजे, इटारसी से 21.12 बजे, खंडवा से 23.42 बजे तीसरे दिन भुसावल से 01.45 बजे, नासिक रोड से 05.15 बजे, इगतपुरी से 06.35 बजे तथा कल्याण से 08.08 बजे छूटकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस 09.00 बजे पहुँचेगी तथा वापसी यात्रा में, 05582 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर विशेष गाड़ी 11 दिसम्बर, 2025 को लोकमान्य तिलक टर्मिनस से 11.00 बजे प्रस्थान कर कल्याण से 11.45 बजे, ईगतपुरी से 14.10 बजे, नासिक रोड से 14.42 बजे, भुसावल से 18.50 बजे, खंडवा से 21.40 बजे दूसरे दिन इटारसी से 00.25 बजे, रानी कमलापति से 02.40 बजे, बीना से 04.50 बजे, वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. (झाँसी) से 06.55 बजे, उरई 08.07 बजे, कानपुर सेंट्रल से 12.05 बजे, ऐशबाग से 13.45 बजे, बादशाहनगर से 14.12 बजे, गोमती नगर से 14.55 बजे, गोंडा से 17.25 बजे तथा बस्ती से 19.02 बजे छूटकर गोरखपुर से 20.15 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में जनरेटर सह लगेज यान का 01, साधारण द्वितीय श्रेणी के 04, शयनयान श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 08, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02 तथा एल.एस.एल.आर.डी. के 01 कोच सहित कुल 22 कोच लगाये जायेंगे। 05903 डिब्रूगढ़-आनन्द विहार टर्मिनस विशेष गाड़ी 09 दिसम्बर, 2025 को डिब्रूगढ़ से 14.00 प्रस्थान कर न्यू तिनसुकिया से 15.10 बजे, सिमालगुड़ी से 16.44 बजे, मरियानी से 17.42 बजे, फुरकेटिंग जं0 से 18.40 बजे, दीमापुर से 19.45 बजे, दीफू से 20.21 बजे, लमडिंग से 21.10 बजे दूसरे दिन गुवाहाटी से 00.45 बजे, रंगिया से 02.05 बजे, न्यू बोंगाईगांव से 04.10 बजे, कोकराझार से 04.54 बजे, न्यू कोचबिहार 06.20 बजे, न्यू जलपाई गुड़ी से 09.15 बजे, किशनगंज से 10.20 बजे, कटिहार से 13.00 बजे, नौगछिया से 13.55 बजे, खगड़िया से 14.44 बजे, बरौनी से 15.45 बजे, शाहपुर पटोरी से 16.37 बजे, हाजीपुर से 18.00 बजे, सोनपुर से 18.12 बजे, छपरा से 20.45 बजे, सीवान से 21.40 बजे, देवरिया सदर से 22.40 बजे तीसरे दिन गोरखपुर से 01.00 बजे, बस्ती से 02.27 बजे, गोण्डा से 04.20 बजे, लखनऊ से 07.20 बजे, बरेली से 11.00 बजे, मुरादाबाद से 12.45 बजे तथा गाजियाबाद 15.00 बजे छूटकर आनन्द विहार टर्मिनस 16.00 बजे पहुॅचेगी तथा वापसी यात्रा में 05904 आनन्द विहार टर्मिनस-डिब्रूगढ़ विशेष गाड़ी 12 दिसम्बर, 2025 को आनन्द विहार टर्मिनस से 00.40 बजे प्रस्थान कर गाजियाबाद से 01.35 बजे, मुरादाबाद से 05.35 बजे, बरेली से 06.52 बजे, लखनऊ से 11.20 बजे, गोण्डा से 14.05 बजे, बस्ती से 15.23 बजे, गोरखपुर से 17.30 बजे, देवरिया सदर से 18.15 बजे, सीवान से 19.10 बजे, छपरा 20.30 बजे, सोनपुर से 21.38 बजे, हाजीपुर से 21.55 बजे, शाहपुर पटोरी से 23.02 बजे दूसरे दिन बरौनी से 01.05 बजे, खगड़िया से 02.05 बजे, नौगछिया से 03.08 बजे, कटिहार से 05.40 बजे, किशनगंज से 07.07 बजे, न्यू जलपाई गुड़ी से 08.45 बजे, न्यू कोचबिहार से 10.50 बजे, कोकराझार से 12.12 बजे, न्यू बोंगाईगांव से 13.10 बजे, रंगिया से 14.50 बजे, गुवाहाटी से 17.05 बजे, लमडिंग से 20.30 बजे, दीफू से 21.06 बजे, दीमापुर से 21.50 बजे तीसरे दिन फुरकेटिंग से 00.20 बजे, मरियानी से 01.05 बजे, सिमालगुड़ी से 01.57 बजे तथा न्यू तिनसुकिया से 03.40 बजे छूटकर डिब्रूगढ़ 05.20 बजे पहॅुचेगी। इस गाड़ी में एल.एस.एल.आर.डी. का 01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी के 02, वातानुकूलित पेन्ट्रीकार का 01, जनरेटर सह लगेज यान का 01 एवं शयनयान श्रेणी के 07 कोच सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

वाराणसी में दो लोग अरेस्ट, शुभम के काम करने का बताया तरीका

वाराणसी। कफ सिरप प्रकरण में गिरफ्तार विशाल कुमार जायसवाल और बादल आर्य हुकुलगंज के निवासी हैं। डीसीपी काशी जोन गौरव वंशवाल ने इनके अपराध के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इन्हें शुभम जायसवाल ने ही बिजनेस प्लान बताया था। कफ सिरप की अवैध ब्रिकी में हरी ओम फार्मा के विशाल कुमार जायसवाल और काल भैरव ट्रेडर्स के बादल आर्य को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। डीसीपी काशी जोन गौरव वंशवाल ने बताया कि शुभम, देवेश और अमित जायसवाल पार्टनर हैं। फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र आदि के माध्यम से ड्रग लाइसेंस प्राप्त किया था। इसी का प्रयोग कर कोडीनयुक्त कफ सिरप का व्यापार करते थे। विभिन्न

मेडिकल फर्मों के माध्यम से क्रय-विक्रय करते हुए बड़ा आर्थिक लाभ भी प्राप्त किया गया। आरोपी विशाल कुमार जायसवाल की फर्म हरी ओम फार्मा के द्वारा 4,18,000 शीशी कफ सिरप भोला प्रसाद की फर्म शैली ट्रेडर्स रांची (झारखंड) से खरीदी गई। करीब पांच करोड़ रुपये से अधिक में विक्रय किया गया है, जिसकी जांच चल रही है। इसी क्रम में, बादल आर्य की फर्म काल भैरव ट्रेडर्स के द्वारा भी शैली ट्रेडर्स रांची (झारखंड) से 1,23,000 शीशी कफ सिरप खरीदी गई। करीब दो करोड़ रुपये से अधिक में विक्रय किया गया है। आरोपियों द्वारा अपनी फर्मों के नाम पर फर्जी ई वे बिल भी तैयार किए गए, जिसकी पुष्टि वाहनों के स्वामियों के बयान से होती है। पूछताछ के बाद होगी अन्य कार्रवाई आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि बताया कि डीएसए फार्मा खोजवा (भेलुपर) के माध्यम से हम लोगों की मुलाकात श्रीहरी फार्मा एंड सर्जिकल एजेंसी सोनिया (वाराणसी) के प्रोपराइटर अमित जायसवाल व शैली ट्रेडर्स के कंपीटेंट पर्सन शुभम जायसवाल से हुई थी। उसी दौरान उनके द्वारा हम लोगों को कम समय में ज्यादा कमाई करने का लालच देकर कफ सिरप के व्यापार हेतु प्रेरित किया गया। उनके बनाए बिजनेस प्लान से हम लोग सहमत भी हो गए। उन लोगों के द्वारा एक-एक दुकान भी चिन्हित कराया गया। इसके बाद फर्जी और कूटरचित दस्तावेज तैयार कराकर हम लोगों का ड्रग लाइसेंस बनवाया गया। ई वे बिल से होता था खेल आरोपी ने बताया कि हम लोगों को शुभम जायसवाल के द्वारा देवेश जायसवाल के माध्यम से प्रतिमाह 30 से 40 हजार रुपये के बीच नगद कमीशन दिया जाता था। जिस फर्म का पैसा हम लोगों के अकाउंट में आता था, उसको जल्दी से जल्दी शैली ट्रेडर्स के खाते में ट्रांसफर कर दिया जाता था। हम लोगों के बैंक अकाउंट की पूरी जानकारी देवेश जायसवाल के पास थी। रुपया ट्रांसफर करने के समय देवेश जायसवाल हमसे ओटीपी भी मांगता था। हम लोगों के द्वारा एक वर्ष के अंदर करीब सात करोड़ रुपये का व्यापार किया गया है। हम लोगों की फर्म सिर्फ दिखाने के लिए थी, जबकि शैली ट्रेडर्स से जो भी माल हमारे फर्म के नाम पर आते थे, वह हमारे यहां न आकर दूसरी जगह भेज दिए जाते थे। इसके ई वे बिल और टैक्स इनवाइस हम लोग अपनी फर्म के माध्यम से तैयार करते थे।

कानपुर के भी एक युवक की मौत

कानपुर। गोवा के नाइट क्लब में हुए अग्निकांड में कानपुर के एक युवक की मौत हुई है। युवक कल्याणपुर के बारासिरोही में मामा के घर रहता था। डेढ़ साल पहले ही नौकरी के लिए गया था। गोवा के नाइट क्लब में रविवार रात को सिलेंडर फटने और आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई है। हादसे में कानपुर कल्याणपुर के युवक की भी मौत हो गई। युवक कल्याणपुर के बारासिरोही में अपने मामा के घर रहता था। डेढ़ साल पहले ही नौकरी के लिए

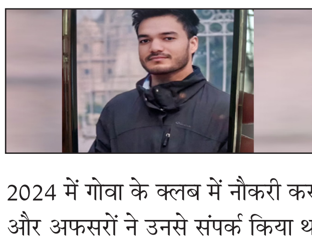

गया था। सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। भाई ने कहा कि अचानक मिली इस खबर ने सभी को तोड़ दिया। परिजन शव लेने के लिए रवाना हो गए हैं। मूलरूप से नेपाल निवासी सुनीता सिंह का बेटा रोहन सिंह (28) कानपुर के कल्याणपुर बारासिरोही में रहने वाले उनके भाई कुंवर सिंह के यहां पर रहता था। कुंवर सिंह ने बताया कि उनका भांजा रोहन बचपन से उनके घर में रहता था। उसने पहले कानपुर के कई बार और रेस्टोरेंट में काम किया था। वह बहुत मिलनसार था। उसके एक मिलने वाले ने उसे गोवा में अच्छी सैलरी मिलने की बात कही तो फरवरी 2024 में गोवा के क्लब में नौकरी करने चला गया था। कुंवर सिंह के मुताबिक उनका एक बेटा मुंबई में नौकरी करता है। हादसे के बाद गोवा की पुलिस और अफसरों ने उनसे संपर्क किया था। इसके बाद हादसे में रोहन के मौत की जानकारी दी। मौत की जानकारी मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मुंबई निवासी विजय और परिवार के लोग गोवा के लिए रवाना हो गए। अब शव को कानपुर लाने के बाद रोहन का अंतिम संस्कार होगा। वहीं, रोहन की मां सुनीता सिंह बेटे के मौत की जानकारी मिलने के बाद नेपाल से कानपुर के लिए रवाना हो गई हैं।

संक्षिप्त खबरें

तेनुआ कट पर वाहन की टक्कर से पिता-पुत्र घायल

बस्ती। हरैया थानाक्षेत्र के तेनुआ कट पर तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार पिता-पुत्र को टक्कर मार दी, जिसमें राजेश पांडेय (55) गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बावत उनके पुत्र शशांक पांडेय निवासी भरुकहवा ने तहरीर दी। जिसके मुताबिक पिता राजेश पांडेय उसके भाई शुभम के साथ तहसील से लौट रहे थे, तभी अज्ञात वाहन के चालक ने तेज रफ्तार में टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों ने घायल को अस्पताल पहुंचाया गया, बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर वाहन चालक की तलाश शुरू कर दी है।

ऑनलाइन लेनदेन के बीच साइबर अपराधियों का बढ़ा अटैक

संवाद न्यूज एजेंस बस्ती। बेतहाशा बढ़ते ऑनलाइन लेनदेन के बीच साइबर अपराधियों को साइबर अटैक करने का खुलकर मौका दे दिया है। लोगों की कम जानकारी का फायदा उठाते हुए साइबर अपराधी तरह-तरह की तरकीब इस्तेमाल कर रुपये उड़ा रहे हैं। नया मामला डिजिटल अरेस्ट और आपत्तिजनक सामग्री देखने का आरोप लगाकर सीधे-सादे इंसान को चूना लगा दिया। जानकार बताते हैं कि जिले में डिजिटल ठगी का खतरनाक ट्रेंड लगातार बढ़ रहा है। एक साल में ऐसे 10 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। इनमें विदेशी नंबरों, जांच एजेंसी, पुलिस अधिकारी, फोन टैपिंग या मनी लॉन्ड्रिंग जैसे झांसे का इस्तेमाल कर लोगों से पैसों की वसूली की गई। अधिकतर मामलों में पीड़ित को पहले वीडियो कॉल में फंसाया गया, फिर वर्चुअल कोर्ट, वर्चुअल वकील, वर्चुअल पुलिस अधिकारी जैसे नकली किरदार दिखाए गए। साइबर विशेषज्ञ सत्येंद्र भूषण त्रिपाठी बताते हैं कि साइबर ठग सबसे पहले पीड़ित को यह कहकर डराते हैं कि उसका मोबाइल, आधार या बैंक खाता किसी गंभीर अपराध में इस्तेमाल हुआ है। वे खुद को पुलिस, कोर्ट या साइबर एजेंसी का अधिकारी बताकर कहते हैं कि तुरंत सहयोग नहीं किया तो डिजिटल अरेस्ट, वारंट, बैंक सीलिंग या गिरफ्तारी हो जाएगी। लगातार धमकी और दबाव में पीड़ित घबरा जाता है और ठग उसके डर का फायदा उठाकर पैसे ट्रांसफर करा लेते हैं।

19 करोड़ का भुगतान अटका सुस्त पड़ी विकास की रफ्तार

बहादुरपुर। ब्लाक क्षेत्र के 86 ग्राम पंचायतों में वित्तीय वर्ष 2024-25 में कराये गये पक्के कार्यो का भुगतान न होने के कारण वर्ष 2025-26 में विकास कार्य लगभग ठप्प हो गया है। पिछले वित्तीय वर्ष में ग्राम पंचायतों में लगभग 15.88 करोड़ के सापेक्ष इस वित्तीय वर्ष के आठ महीनो में महज 3.22 करोड़ का कार्य हो पाया है। मटेरियल भुगतान न होने के कारण प्रधान स्वीकृति के बाद भी ग्राम पंचायतों में विकास कार्य नहीं करा पा रहे है। प्रधानों का कहना की ईट भट्ठो का लाखों का बकाया होने के कारण नये कार्यो के लिए सामान देने मे आनाकानी कर रहे है। उनका कहना है कि पिछला भुगतान जब तक नहीं होगा उनके लिए सामान देना संभव नहीं है। भुगतान न होने के कारण मटेरियल सप्लाई करने वालों को बैंको की ईएमआई जमा करने में समस्या हो रहा है। निर्माण से जुड़े कार्य ग्राम पंचायतों न होने के कारण उससे जुड़े श्रमिकों के सामने भी रोजी का संकट उत्पन्न हो गया है। प्रधान प्रतिनिधि सरैर्या खुर्द रिजवान खान ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में लगभग पचास लाख रुपए का कार्य हुआ है किसी भी कार्य का भुगतान नहीं हुआ है। कई कार्य अति आवश्यक होने के बावजूद भी सामान न मिलने के कारण नहीं करा मिल रहा है जबकि चुनावी वर्ष होने के कारण कराना बहुत जरूरी है। प्रधान प्रतिनिधि फूलपुर विजय बहादुर ने बताया कि लगभग पैंतालीस लाख रुपए कार्य हुआ था। भुगतान न होने के कारण नये मस्टर रोल भी जारी नहीं हो पा रहे है। प्रयास पर कार्यो की स्वीकृति तो मिल जाएगा, मगर जहां से मटेरियल मिलना है वे पिछला भुगतान मिले बिना सामान देने को तैयार नहीं हैं। अध्यक्ष प्रधान संघ बहादुरपुर अरविंद सिंह ने बताया कि भुगतान न होने के कारण प्रधानों ने जहां से सामान लिया वहां जाने से कतरा रहे है क्योकि उनके द्वारा दिए गए समाना का भुगतान मांगा जा रहा है। खंड विकास अधिकारी घीसम प्रसाद ने बताया कि निर्माण कार्य के भुगतान हेतु मांग भेजा गया है जैसे ही धन उपलब्ध होगा संबन्धित फर्मो को कर दिया जाएगा।

बेकाबू क्रेन की टक्कर से कार क्षतिग्रस्त

बनकटी। लालगंज थाना क्षेत्र के देईसांड़ चौराहे पर रविवार की सुबह बेकाबू क्रेन की टक्कर से कार के अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। कार सवार बाल-बाल बच गए। बाद में दोनों वाहन मालिकों ने सुलह-समझौता कर लिया। जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 11 बजे लालगंज थाना क्षेत्र के लकड़ा गांव निवासी नकुल कार से मुंडेरवा गांव निवासी रामसागर चौधरी के यहां एक कार्यक्रम में शामिल होकर संतकबीर नगर जिले के मुड़ेरा गांव जा रहे थे। देईसाड़ बाजार के पहले, महुली की तरफ से आरही क्रेन अनियंत्रित होकर कार टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि कार10 मीटर कार दूर जा पहुंची। सवार लोग बाल-बाल बच गए।

पुरानी पेंशन बहाल करे सरकार

बस्ती। अटेवा के बैनर तले रविवार को कैंप कार्यालय मड़वानगर में पुरानी पेंशन बहाली के आंदोलन में शहीद हुए डॉ. राम आशीष सिंह की शहादत को याद किया गया। इस दौरान शिक्षकों-कर्मचारियों ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर पुरानी पेंशन बहाली की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष तौआब अली ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर डॉ. राम आशीष सिंह लखनऊ में आंदोलन करते हुए शहीद हो गए थे। हम उनकी शहादत को नमन करते हैं। साथ ही, पुरानी पेंशन की मांग करते हैं। प्रदेशीय संयुक्त मंत्री जनार्दन शुक्ला, मंडलीय महामंत्री दीपक सिंह प्रेमी एवं मंडलीय आय व्यय निरीक्षक डॉ. कमलेश चौधरी ने न्यू पेंशन स्कीम और यूनिफाइड पेंशन स्कीम को शिक्षकों कर्मचारियों के लिए अहितकर बताया। कहा कि कर्मचारियों का भविष्य केवल पुरानी पेंशन योजना में ही सुरक्षित है। संरक्षक बृजेश वर्मा, प्रमोद ओझा, देवेंद्र तिवारी कोषाध्यक्ष अमरचंद वर्मा मीडिया प्रभारी नीरज वर्मा, संगठन मंत्री कैलाश नाथ ने संयुक्त रूप से शहीद डॉ. राम आशीष सिंह को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि जब आज भी देश के कई प्रदेशों में पुरानी पेंशन योजना लागू है तो उत्तर प्रदेश की सरकार इसे बहाल करने में आनाकानी क्यों कर रही है।

वाहन की टक्कर से विक्षिप्त घायल

पुरानी बस्ती। शनिवार की रात करीब एक बजे गोरखपुर-लखनऊ मार्ग पर सबदेइया कला स्थित फ्लोर मिल के पास एक विक्षिप्त अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गया। सूचना पर पहुंचे हड़िया चौकी इंचार्ज संजय कुमार ने घायल को एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया।

गंभीर के बाद मैकुलम पर इस देश का मजेदार तंज

नई दिल्ली। आइसलैंड क्रिकेट अपने सटायर के लिए मशहूर है और इस बार भी उनका ट्वीट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। अब उनके निशाने पर इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कोच ब्रेंडन मैकुलम हैं। ऑस्ट्रेलिया ने ब्रिस्बेन में खेले गए डे-नाइट दूसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की मजबूत बढ़त हासिल कर ली है। 65 रनों के छोटे लक्ष्य को मेजबान टीम ने मात्र 10 ओवरों में हासिल करते हुए मैच अपने नाम किया। कप्तान स्टीव स्मिथ ने गस एटकिंसन की गेंद पर स्क्वायर लेग के ऊपर छक्के के साथ मुकाबले का अंत किया। चेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और मार्नस लाबुशेन के विकेट खोए, लेकिन स्मिथ और जेक वेदरलैंड ने टीम को आसानी से लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इसके बाद इंग्लैंड के बैजबॉल क्रिकेट के जनक ब्रेंडन मैकुलम को फैंस ने निशाने पर ले लिया। सोशल मीडिया पर मैकुलम पर जमकर तंज कसे जा रहे हैं ।

गर्लफ्रेंड ने लिव-इन पार्टनर को मार डाला, 2 बेटियों के साथ मिलकर चाकू से गला रेता

लखनऊ(संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में एक इंजीनियर की हत्या कर दी गई। शुरूआती जांच में सामने आया कि हत्या गर्लफ्रेंड ने की है। दोनों लिव-इन में रहते थे। मर्डर करने के बाद करीब 10 घंटे तक गर्लफ्रेंड अपनी 2 बेटियों के साथ प्रेमी के कमरे में ही बैठी रही। उसके बाद खुद ही पुलिस को सूचना दी। महिला से पूछताछ में आया कि रविवार रात करीब 11 बजे किसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हो गया। इसके बाद महिला ने अपनी दोनों बेटियों के साथ मिलकर प्रेमी की हत्या कर दी। पुलिस ने महिला और उसकी दोनों बेटियों को गिरफ्तार कर लिया है। मामला बीबीडी थाना क्षेत्र के सालारगंज गांव का है। मूलरूप से देवरिया में रहने वाला सूर्य प्रताप सिंह (33) एवरेडी कंपनी में एक्जीक्यूटिव इंजीनियर था। वह जानकीपुरम में अपने परिवार के साथ रहता था। इसी बीच सूर्य ने अपने घर के पास रहने वाली रत्ना (46) की दो बेटियों को ट्यूशन पढ़ाना शुरू किया। रत्ना के पति की मौत हो चुकी है। ट्यूशन पढ़ाने के दौरान सूर्य और रत्ना के बीच नजदीकियां बढ़ती गईं। धीरे-धीरे दोनों के बीच अफेयर हो गया। इस बात का पता चलते ही दोनों के घरवालों ने विरोध करना शुरू कर दिया। बार बार कहने के बाद भी सूर्य प्रताप और रत्ना ने घरवालों की बात नहीं मानी। जब घरवालों का दबाव ज्यादा बढ़ा, तो सूर्य

प्रताप, रत्ना और उसकी दोनों बेटियों के साथ बीबीडी थाना क्षेत्र के सालारगंज गांव में मकान लेकर रहने लगा। पिछले कुछ दिनों से सूर्य और रत्ना के बीच लगातार झगड़ा हो रहा था। रविवार रात भी दोनों के बीच किसी बात को लेकर जमकर झगड़ा हुआ। इसके बाद रत्ना ने अपनी दोनों बेटियों के साथ मिलकर सूर्य की हत्या कर दी। इसके बाद रातभर रत्ना और उसकी बेटियां दूसरे कमरे में बैठी रहीं। सोमवार सुबह करीब 9 बजे रत्ना ने खुद पुलिस को कॉल किया। कहा कि मैंने अपने प्रेमी की हत्या कर दी है। इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। सूचना मिलते ही सूर्य के पिता नरेंद्र सिंह भी मौके पर पहुंचे। नरेंद्र सिंह ने रत्ना और उसकी दोनों बेटियों पर हत्या करने का आरोप लगाया। कहा- रत्ना ने दोनों बेटियों के साथ मिलकर बेटे को पटक दिया। उसके बाद चाकू से गला रेतकर मार डाला। पुलिस के अनुसार, रत्ना ने सूर्य प्रताप को रविवार रात करीब 11 बजे ही मार दिया था। उस समय उसकी दोनों बेटियां भी मौजूद थीं। रत्ना शव को कमरे में छोड़कर बेटियों के साथ दूसरे कमरे में रातभर बैठी रही। सुबह करीब 9 बजे उसने पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल कर हत्या के बारे में बताया। पुलिस ने गांव के प्रधान को उसके घर भेजा, तो घटना सही मिली। इसके बाद सुबह करीब सवा 10 बजे बीबीडी थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। फोरेंसिक टीम और स्थानीय पुलिस ने साक्ष्य एकत्र किए। डीसीपी भी मौके पर पहुंचे। रत्ना के पड़ोस में रहने वाले लोगों ने बताया कि सूर्य प्रताप और रत्ना के बीच अक्सर लड़ाई होती थी। इसकी आवाज बाहर तक आती थी। कल रात भी दोनों के बीच लड़ाई हुई थी, आवाजें बाहर तक आ रही थीं। रोज लड़ाई होने के चलते हम लोगों ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। सुबह जब पुलिस आई, तब पता चला कि हत्या हो गई है। पिता नरेंद्र सिंह ने बताया- पहले बेटा सूर्य प्रताप जानकीपुरम में हम लोगों के साथ ही रहता था। हमारे घर के पास ही रत्ना भी रहती थी। वह रत्ना की दोनों बेटियों जानवी सिंह (18) और अनुष्का (14) को ट्यूशन पढ़ाता था। रत्ना का पति शराब पीने का आदी था। करीब 6 साल पहले उसके पति की मौत हो गई थी। रत्ना ने मेरे बेटे को भैया-भैया कहकर मदद मांगी। बेटे ने उसकी मदद की। करीब 2 साल से रत्ना अपनी दोनों बेटियों को लेकर मेरे बेटे के साथ रहने लगी। मैंने कई बार बेटे से दोनों के अफेयर के बारे में पूछा। लेकिन, उसने साफ मना कर दिया। इस वजह से हम लोग बेटे की शादी के लिए कई जगह बात भी कर रहे थे।नरेंद्र ने बताया- रत्ना और उसकी दोनों बेटियां मेरे बेटे के पैसे से ऐश करती थीं। रविवार को बेटे से मेरी बात हुई थी। मैं बाइक की मरम्मत कराने गया था। बेटे ने मुझे पैसे भी भेजे थे। तब तक सब कुछ ठीक था। आज पुलिस ने मेरे बेटे की हत्या के बारे में मुझे बताया, तब मैं यहां पहुंचा।

बिहार के कैबिनेट मंत्री श्रवण कुमार का यूपी में स्वागत

लखनऊ(संवाददाता)। जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष अनूप सिंह पटेल की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक मे प्रदेश प्रभारी श्रवण कुमार कैबिनेट मंत्री ग्रामीण विकास एवं परिवहन बिहार का लखनऊ में जद यू कार्यकताओं ने स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार की सरकार की अभूतपूर्व सफलता ने देश की राजनीति को नई दिशा देने का काम किया है जिसमें श्रवण कुमार का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। श्रवण कुमार ने सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया। समीक्षा बैठक करके सदस्यता अभियान को अपरिहार्य बताते हुए कहा की बिहार की जीत में सदस्यता अभियान की मुख्य भूमिका रही है। समीक्षा बैठक के दौरान प्रदेश के जनपद बलरामपुर, फतेहपुर, एवं गोंडा जिलों में हुए आपराधिक घटनाओं के लिए प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में पांच सदस्यीय कमेटी जोकि जांच कर सरकार को रिपोर्ट सौंपेगी ताकि अपराधियों के साथ सख्त से सख्त कार्यवाही हो सके। उन्होंने कार्यकताओं को आने वाले चुनावों के लिए कमर कसने को कहा और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने का आह्वान किया।

बंगाल में भाजपा की दाल नहीं गलने वाली, वहां इंडिया गठबंधन की सरकार बनेगी: सुरेंद्र राजपूत

लखनऊ(संवाददाता)। कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया है कि वहां पर इंडिया गठबंधन की जीत होगी। लखनऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा ने जिस तरह से वोटों की चोरी की। चुनाव आयोग को अपने इशारे पर चलाया। बिहार में हुए विधानसभा चुनाव में सभी ने देख लिया है। बंगाल में भाजपा की दाल नहीं गलने वाली है। बंगाल में भारी बहुमत से इंडिया गठबंधन सरकार बनाएगी।कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि वंदे मातरम का विरोध भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने किया है। हम लोग वंदे मातरम गाने वाले लोग हैं। वंदे मातरम के नाम पर वोट लेने की कोशिश हो रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा ने जय हिंद का नारा रोकने का काम किया। भाजपा के अब कुछ कहने से सबकुछ सच नहीं होता है। भाजपा हमेशा से विरोधी रही है।गोवा में नाइटक्लब में आग लगने की घटना पर कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि यह बहुत दुखद घटना है। जितनी निंदा की जाए कम है। नाइटक्लब के पास फायर एनओसी नहीं था। गोवा में भाजपा की डबल या ट्रिपल-इंजन सरकार सत्ता में है। क्या सरकार लोगों को मरने का लाइसेंस देती है या बचाने का। फायर सेफ्टी जब नहीं था तो क्लब कैसे संचालित हो रहा था।कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि नरसंहार के पीछे सरकार की लापरवाही है और इसके लिए सरकार जिम्मेदार है। भाजपा की सरकार को देश से माफी मांगनी चाहिए। इस घटना में जिन परिवारों ने अपनों को खो दिया। परिजनों को कम से कम 2 करोड़ रुपए का मुआवजा मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में इस तरह की घटना हो रही है और सेफ्टी का ध्यान नहीं रखा जा रहा है।

बिजली वितरण कंपनियों को मजबूत करने में उदय योजना की भूमिका अहम

लखनऊ(संवाददाता)। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) लखनऊ के संकाय सदस्यों द्वारा किए गए एक शोध अध्ययन में यह सामने आया है कि बिजली क्षेत्र की प्रमुख सुधार योजनाओं में से एक उज्ज्वला डिस्कॉम एश्योरेंस योजना (उदय) ने देश की बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम्स) के वित्तीय स्वास्थ्य को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह अध्ययन आईआईएम लखनऊ के वरिष्ठ प्रोफेसर प्रो. डी. त्रिपाठी राव, सहायक प्रोफेसर प्रो. हिमाद्री शेखर चक्रवर्ती और शोधार्थी प्रतीक विश्वास ने संयुक्त रूप से तैयार किया है। अध्ययन में इस बात का भी जिक्र है कि किस हद तक डिस्कॉम्स के बड़े हिस्से के कर्ज को राज्य सरकारों पर स्थानांतरित करने और राज्य समर्थित बॉन्ड जारी करने के फैसले ने कंपनियों की वित्तीय स्थिति को राहत प्रदान की गई। उदय योजना का मुख्य उद्देश्य बिजली वितरण कंपनियों के संचयी घाटे और बढ़ते कर्ज को नियंत्रित कर उन्हें परिचालन दक्षता प्राप्त करने में समर्थ बनाना था। प्रोफेसर राव ने बताया कि शोध में डिफरेंस-इन-डिफरेंस मॉडल का प्रयोग किया गया है, जिसके माध्यम से उदय योजना लागू होने से पूर्व और योजना के बाद के वित्तीय आंकड़ों का तुलनात्मक मूल्यांकन किया गया। अध्ययन के प्रमुख निष्कर्ष में कहा गया है कि सरकारी स्वामित्व वाली डिस्कॉम्स के कुल कर्ज और सुरक्षित कर्ज में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई। इससे यह पुष्टि होती है कि राज्य सरकार द्वारा देनदारियों का वहन करने से डिस्कॉम्स के बैलेंस शीट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। दूसरे योजना के बाद डिस्कॉम्स के नकदी प्रवाह में स्थिरता और लाभ कमाने की क्षमता में वृद्धि देखी गई, जिससे उच्च ब्याज वाले कर्ज पर निर्भरता घटी। शोध में सामने आया कि बेहतर संसाधन, अधोसंरचना और संस्थागत मजबूती के कारण बड़े और पुराने डिस्कॉम्स को अपेक्षाकृत अधिक लाभ प्राप्त हुआ। प्रो. डी. त्रिपाठी राव का मानना है कि उदय योजना बिजली वितरण क्षेत्र में कर्ज पुनर्गठन का एक सफल उदाहरण है। उन्होंने कहा उदय योजना ने अस्थिर कर्ज चक्र को तोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लेकिन इसे कोई जादुई उपाय नहीं माना जाना चाहिए। वित्तीय सुधारों को स्थायी बनाने के लिए संरचनात्मक बदलाव अनिवार्य हैं।ष उन्होंने सुझाव दिया कि वितरण नेटवर्क का डिजिटलीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग में बढ़ोतरी, ऊर्जा भंडारण क्षमता का विस्तार और अधिक निजी निवेश से क्षेत्र को दीर्घकालिक लाभ मिल सकता है। साथ ही उन्होंने टैरिफ सुधार, नियामक निरीक्षण और परिचालन जवाबदेही बढ़ाने पर जोर दिया।

संसद में बोले अखिलेश यादव, वंदे मातरमसिर्फ गाने के लिए नहीं, निभाने के लिए भी होना चाहिए

लखनऊ(संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोमवार को सत्तारूढ़ भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि वंदे मातरम सिर्फ गाने के लिए नहीं, बल्कि निभाने के लिए भी होना चाहिए, लेकिन आज के दरारवादी लोग इसी के जरिये देश को तोड़ना चाहते हैं। अखिलेश ने लोकसभा में वंदे मातरम् पर चर्चा में भाग लेते हुए आरोप लगाया कि वर्तमान में सत्ता पक्ष के लोग हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं। सपा सांसद ने कहा, हमारे सत्ता पक्ष के लोग हर चीज का श्रेय लेना चाहते हैं...जो महापुरुष उनके नहीं हैं, या जो चीज उनकी नहीं है, उन्हें भी अपनाना चाहते हैं।अखिलेश ने कहा, वंदे मातरम् सिर्फ गाने के लिए नहीं है, निभाने के लिए भी होना चाहिए। सत्ता पक्ष के लोग आकलन करें कि हम इसे कितना निभा रहे हैं। आज के दरारवादी लोग उसी के जरिये देश को तोड़ना चाहते हैं। ऐसे लोगों ने पहले भी देश के साथ दगा किया है, आज भी (दगा) कर रहे हैं। उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के गठन के समय उनके जो अध्यक्ष चुने गऐ थे, उन्हें जो भाषण देना था उस पर इस बात को लेकर बहस चली थी कि भाजपा धर्मनिरपेक्ष समाजवाद के रास्ते पर जाएगी कि नहीं। सपा सांसद ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि वंदे मातरम् कोई दिखावा, या राजनीति का विषय नहीं है, लेकिन ऐसा लगता है कि वंदे मातरम् इन्हीं (सत्तापक्ष) का बनवाया हुआ है। उन्होंने सत्तारूढ़ दल पर तंज कसते हुए कहा, जिन्होंने आजादी के आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, वे वंदे मातरम् का महत्व क्या जानेंगे? उन्होंने उत्तर प्रदेश में प्राथमिकी विद्यालयों को एकीकृत किये जाने का जिक्र करते हुए कहा कि जब हम आजाद हैं, उत्तर प्रदेश में प्राथमिक स्कूल बंद किये जा रहे हैं। 26 हजार से अधिक स्कूल बंद हो गए।उन्होंने दावा किया कि जब पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समाज ने बच्चों को पढ़ाने की कोशिश की, तो भाजपा सरकार ने पढ़ने गये बच्चों और पढ़ाने गए लोगों पर मुकदमा कर दिया।

अखिलेश पर केशव का पलटवार, कहा, घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई से सपा परेशान क्यों

लखनऊ(संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार प्रदेश में घुसपैठ रोकने और अवैध तत्वों पर सख्त कार्रवाई कर रही है, लेकिन समाजवादी पार्टी (सपा) को इससे परेशानी क्यों हो रही है। केशव मौर्य ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, यदि पुलिस, प्रशासन और भाजपा घुसपैठियों के खिलाफ काम कर रहे हैं, तो समाजवादी पार्टी को दर्द क्यों हो रहा है। उनका इनसे क्या रिश्ता है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सपा सरकार के समय ही घुसपैठियों को सूची में शामिल कर संरक्षण देने का काम किया गया। सपा के शासनकाल में आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने के प्रयास भी किए गए थे, जो प्रदेश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ था। उपमुख्यमंत्री ने अखिलेश यादव के हालिया बयानों को निराधार और भ्रम फैलाने वाला करार देते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार देश के संसाधनों को मजबूत कर रही है, जबकि अखिलेश यादव केवल दुष्प्रचार में लगे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, बिहार चुनाव में प्रचार करने गए अखिलेश यादव को उम्मीद थी कि उसके बाद उन्हें यूपी की मुख्यमंत्री कुर्सी का सपना और करीब नजर आएगा, लेकिन बिहार का परिणाम आते ही उनका सपना चकनाचूर हो गया है। इसी बौखलाहट में वे लगातार उल्टे-सीधे बयान दे रहे हैं और आगे भी देते रहेंगे। केशव प्रसाद मौर्य ने दावा किया कि 2047 तक समाजवादी पार्टी और इसकी नेतृत्वकारी राजनीति का भविष्य अंधकारमय होने वाला है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता अब विकास की राजनीति के साथ है और नकारात्मक राजनीति को पूरी तरह नकार चुकी है।

यूपी में कटेंगे मतदाता सूची से तीन करोड़ नाम!

एसआईआर रिपोर्ट में खुलासा, जनवरी में आएगी अपडेट वोटर लिस्ट

लखनऊ(संवाददाता)। मतदाता सूची को अपडेट करने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान अब अनुमान आ रहा है कि यूपी की मतदाता सूची से तीन करोड़ से अधिक नाम हटाए जा सकते हैं। जिलों की रिपोर्टों के अनुसार बड़ी संख्या में ऐसे मतदाता चिन्हित हुए हैं जो अनुपस्थित, स्थानांतरित, पहले से कहीं और दर्ज, या मृतक यानि एएसडी श्रेणी के अंतर्गत आते हैं। 27 अक्टूबर 2025 की आधिकारिक रिपोर्ट के अनुसार यूपी में 1,54,430,092 मतदाता दर्ज हैं। इसके बाद चुनाव आयोग ने एसआईआर के तहत मतदाता सूची की बड़ी सफाई शुरू की है। अभियान में 11 दिसंबर तक गणना फॉर्म भरकर जमा किए जा सकते हैं। इसी अवधि में सभी जिलों में मृतकों, अनुपस्थित मतदाताओं, दूसरे स्थान पर पंजीकृत और घर बदल चुके लोगों की पहचान की जा रही है।चुनाव आयोग की जानकारी के अनुसार, औरैया, आजमगढ़ और एटा जैसे जिलों ने एसआईआर का शत-प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। एटा जिला, जिसकी मतदाताओं की संख्या 13,11,967 है, वहाँ 18 प्रतिशत मतदाता एएसडी कैटेगरी में पाए गए हैं। एसआईआर से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, अभी तक की प्रविष्टियों और जिलों से मिली रिपोर्टों का विश्लेषण बताता है कि पूरे प्रदेश में लगभग 6 फीसदी अनुपस्थित, 10 फीसदी स्थानांतरित शिफ्टेड और 4 फीसदी मृतक मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। इन आँकड़ों को प्रदेश की मतदाता संख्या पर लागू किया जाए तो यह संख्या तीन करोड़ से अधिक बैठती है। इस तरह मतदाता सूची में लंबे समय से मौजूद त्रुटियों को बड़े पैमाने पर ठीक किया जा रहा है। वोटर संख्या बढ़ने के पीछे कई कारण हैं।तेजी से बढ़ता शहरीकरण और माइग्रेशन- बड़ी संख्या में लोग नौकरी, शिक्षा और व्यवसाय के लिए लगातार जिले बदल रहे हैं। पुरानी सूचियों का वर्षों से अद्यतन न होना है।कई नाम लंबे समय से सूची में बने रह गए थे, जबकि व्यक्ति अब वहाँ रहते ही नहीं। परिवार द्वारा सूचना न देने से मृतकों के नाम वर्षों तक सूची में बने रहे।कई बार एक व्यक्ति का नाम दो जगह दर्ज पाया गया।11 दिसंबर के बाद जिलों द्वारा जमा किए गए सभी फॉर्म और डिजिटल डेटा की अंतिम जांच की जाएगी। चुनाव आयोग आधिकारिक आदेश जारी करेगा जिसके अनुसार एएसडी श्रेणी में पाए गए नाम हटाए जाएंगे। नए मतदाताओं के पंजीकरण, पता बदलने और सुधार की प्रक्रिया को भी अंतिम रूप दिया जाएगा। फाइनल मतदाता सूची जनवरी 2026 की शुरूआत में प्रकाशित होने की संभावना है।

हत्या कर शव जलाने वाले 5 गिरफ्तार, जमीन कब्जाने के लिए अपहरण किया

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ की निगोहां पुलिस ने हत्या कर शव जलाने वाले पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने युवक को मिलने के बहाने बुलाया। इसके बाद उसकी हत्या कर दी। शव को उन्नाव में ले जाकर जला दिया था। परिजनों के गुमशुदगी दर्ज कराने पर पुलिस युवक की तलाश कर रही थी। एडीसीपी साउथ रालापल्ली बसंत ने बताया निगोहां के दखिना शेखपुर निवासी कबीर उर्फ शिव प्रकाश (42) का अधजला शव उन्नाव के बीघापुर थाना क्षेत्र में मिला। परिजनों के शव की पहचान करने के बाद टीम जांच में जुटी। जिसका खुलासा करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। 19 नवंबर को सुरेंद्र कुमार ने निगोहां पुलिस को सूचना दी थी कि उनका दोस्त कबीर 16 नवंबर से लापता है। केस दर्ज कर पुलिस ने आसपास के जिलों में तलाश शुरू की। इसी दौरान बीघापुर पुलिस ने एक अधजले अज्ञात शव मिलने की जानकारी दी। फोटो देखने के बाद परिजनों ने शव की पहचान कबीर के रूप में की। जांच में खुलासा हुआ कि कबीर की मां स्व. सत्यवती के नाम 44 बिस्वा जमीन रायबरेली,लखनऊ राजमार्ग के किनारे थी। यही जमीन विवाद की जड़ बनी। कबीर के बड़े भाई शिव सहाय गौतम ने मां की पावर ऑफ अटॉर्नी लेकर 2019 में जमीन सुजीत कुमार श्रीवास्तव व आशीष यादव के जरिए सतगुरु के नाम रजिस्ट्री कर दी थी। बाद में सुजीत और आशीष ने सतगुरु से रजिस्टर्ड एग्रीमेंट करवाकर जमीन यथार्थ प्रॉपर्टी के श्रवण कुमार को बेच दी। पूरे मामले को लेकर कबीर ने कोर्ट में मुकदमा कर दिया था, जिसकी पैरवी वह खुद कर रहे थे। जिसके चलते हत्या की आशंका जताई।

संक्षिप्त खबरें

मोदी जी के मन की बात की नकल कर रहे मुख्यमंत्री-कांग्रेस

लखनऊ(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पाती लिखकर मोदीजी के मन की बात की नकल में लगे हैं। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने आरोप लगाते हुए कहा कि पाती में रोहिंग्या घुसपैठियों की बात करके मोदी सरकार की सच्चाई उजागर कर रहे हैं। देश जानना चाहता है कि केंद्र बीजेपी सरकार ने कितने घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजा, आंकड़े बताए। पाती में प्रदेश में बढ़ रही बेरोजगारी,मंहगाई, भ्रष्टाचार पर बात क्यों नहीं करते मुख्यमंत्री जी।

रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सत्यापन अभियान पर महापौर ने दिया जोर, जनता से मांगा समर्थन

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने सोमवार को कहा कि नगर निगम पिछले एक वर्ष से अधिक समय से संदिग्ध रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ दस्तावेज सत्यापन अभियान चला रहा है। खर्कवाल ने कहा कि इस अभियान के स्पष्ट परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार पूरा का पूरा इलाक तेजी से खाली कराया गया। महापौर ने कहा, एक बार, सिर्फ एक घंटे में एक इलाके से लगभग 50 लोगों को हटाया गया। मैं वहीं बैठी रही और अधिकारियों से कहा कि जब तक ये अवैध कब्जा करने वाले हट नहीं जाते, मैं वहां से नहीं उठूंगी। उन्होंने बताया कि यह सत्यापन अभियान का विस्तार नगर निगम तक किया गया है। खर्कवाल ने कहा, पिछले एक-दो हफ्तों में लगभग 160 लोगों ने (नगर निगम की) नौकरी छोड़ दी है। अगर हमारा अपना घर साफ है, तभी हम बाहर देख सकते हैं। नगर निकाय के अंदर सफाई भी उतनी ही जरूरी है।महापौर ने कहा कि उन्होंने सभी जोनों को संदिग्ध व्यक्तियों की सूची तैयार करने और आवश्यक होने पर कार्रवाई के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। लंबे समय के परिणामों को लेकर उन्होंने चेताया, अगर हम अभी चीजें ठीक नहीं करेंगे तो 20 साल बाद हालात बहुत गंभीर हो सकते हैं।

एटीएस ने लखनऊ नगर निगम से मांगा सफाईकर्मियों का डेटा, रोहिंग्या-बांग्लादेशी घुसपैठिए रडार पर

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी और रोहिंग्यों का मुद्दा काफी गरमा गया है। मामले में सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यालय ने सीधे नाराजगी जताई गई है। इसके बाद आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने लखनऊ नगर निगम से सफाई कर्मचारियों का डेटा मांगा है। सूत्रों के मुताबिक, इनपुट मिला है कि बांग्लादेशी-रोहिंग्या घुसपैठिए नगर निगम के सफाई कर्मी के रूप में काम कर रहे हैं। नगर निगम से डेटा मिलने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। लखनऊ पुलिस ने भी नगर निगम ने सफाई कर्मियों का विवरण मांगा है। एटीएस मुख्यालय के पुलिस उपाधीक्षक ने लखनऊ नगर निगम को पत्र लिखा गया है। नगर निगम से कचरा प्रबंधन में आउटसोर्सिंग के साथ रोजाना काम करने वाले कर्मचारियों के बारे में पूरी जानकारी मांगी है। इसमें सफाई कर्मचारी व उनके ठेकेदारों की सूची, निवास, पहचान पत्र, मोबाइल नंबर, आधार कार्ड सहित अन्य डिटेल मांगी गई है। नगर निगम में पत्र आने के बाद सभी 8 जोन के जोनल प्रभारी और जोनल सेनेटरी ऑफिसर की तरफ से डेटा कलेक्शन का काम शुरू कर दिया गया है। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से भी सफाई कर्मचारियों का डेटा शेयर करने के लिए नगर निगम से मांग की गई है। यूपी एटीएस की तरफ से मांगी गई सूचना के बाद नगर निगम का महकमा पूरी तरह से एक्टिव मोड में आ गया है। एटीएस के अधिकारियों की तरफ से नगर निगम के अधिकारियों को फोन कर जल्द से जल्द पूरी सूचना देने की बात कही जा रही ह।

पर्यावरण बचाने के लिए हस्ताक्षर अभियान, सुदीक्षा फाउंडेशन ने चलाई मुहिम

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क के बाहर पर्यावरण को बचाने के लिए अभियान चलाया गया। सुदीक्षा फाउंडेशन की ओर से सोमवार को चलाए गए अभियान से लोगों को जागरूक किया गया। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना और हरित क्षेत्रों को बचाने के लिए जनसमर्थन जुटाना था। पार्क पहुंचे स्थानीय निवासियों, पर्यावरण प्रेमियों, युवाओं और सामाजिक कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हस्ताक्षर कर पेड़ों की रक्षा का संकल्प लिया। अभियान के दौरान सुदीक्षा फाउंडेशन के अध्यक्ष शिवम पांडेय ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पेड़ हमारी जीवनरेखा हैं और स्वस्थ जीवन के लिए इनका संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा पेड़ हैं तो हम स्वस्थ हैं। हम आज प्रकृति के साथ अन्याय करेंगे, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी। जनेश्वर मिश्र पार्क में हो रही पेड़ों की कटाई बेहद चिंताजनक है, जिसे रोकने के लिए जनआंदोलन की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम में तौकील गाजी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि शहर के सबसे बड़े हरित क्षेत्र में पेड़ों का कटना बेहद अफसोसनाक है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक पेड़ लगाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने की अपील की। तौकील ने कहा, जनेश्वर पार्क के पेड़ काटना दुखद है।

जनादेश का अपमान न करें, देशभर में लोग इनको नकार रहे हैं: श्रवण कुमार

लखनऊ। एसआईआर प्रक्रिया पर विपक्ष के विरोध को लेकर बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री श्रवण कुमार ने लखनऊ में तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि देश की जनता विपक्ष के रवैये को समझ चुकी है और अब उनकी जमीन तेजी से खिसक रही है। मंत्री ने सवाल उठाया कि अगर ईवीएम में छेड़छाड़ होती है तो झारखंड, बंगाल और कर्नाटक में चुनाव परिणाम विपक्ष के पक्ष में कैसे आए। लखनऊ में बातचीत के दौरान कैबिनेट मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि विपक्ष बिना वजह एसआईआर प्रक्रिया का विरोध कर रहा है, जबकि पूरा देश उनकी राजनीति को समझ चुका है। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें कई राज्यों में नकारा है, फिर भी वे जनादेश पर सवाल उठाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को बदनाम करने में जुटे हैं। मंत्री ने विपक्ष के ईवीएम संबंधी आरोपों को भी बेबुनियाद बताया। उन्होंने कहा कि जब उनके अनुकूल नतीजे आते हैं तो ईवीएम सही होती है और जब जनता उन्हें खारिज कर देती है तो मशीनों पर आरोप लगाना शुरू कर देते हैं। उन्होंने तंज करते हुए पूछा कि झारखंड में हालिया चुनाव हुए, वहां मशीनों ने कैसे ॣगलतॢ काम नहीं किया? पश्चिम बंगाल के चुनावों में क्यों ॣछेदॢ नहीं हुआ? कर्नाटक में सत्ता बदलने के समय ईवीएम कैसे ठीक थी? श्रवण कुमार ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी है और इसका उद्देश्य मतदाता सूची को साफ, सटीक और अपडेट रखना है। उन्होंने विपक्ष को सलाह दी कि चुनावी राजनीति में ईमानदार मुकाबला करें और जनता द्वारा दिए गए जनादेश का सम्मान करें। बता दें कि बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री श्रवण कुमार जनता दल यूनाइटेड के उत्तर प्रदेश के प्रभारी हैं।

संपादकीय

अपने हर काम में परफेक्शन की तलाश एक निजी सोच है

आपको साउथ इंडियन रेस्तरां के वो डबरा और टम्बलर याद हैं, जिनमें फिल्टर कॉफी मिलती है? वही डबरा घर पर मेरी पहली आइरनिंग क्लास के लिए इस्तेमाल किया गया सबसे जरूरी उपकरण था। शिक्षिका मेरी मां थीं। उन्होंने गर्म जलते कोयले से थोड़े भरे हुए डबरा को संसी की मदद से पकड़ा था। यह हमारी कामचलाऊ इस्तरी थी। पापा को किसी जरूरी काम से बाहर जाना था और जब वो तैयार हो रहे थे, तब मां को उनकी कमीज पर कड़क इस्तरी करनी थी। मैं उनका सहायक था। उन्होंने कॉलर से शुरू किया। फिर एक-एक कर आस्तीनों को इस्तरी घ्किया, पूरी सावधानी से कि कहीं एक भी अतिरिक्त सिलवट न रह जाए। उसके बाद शर्ट की पीठ पर उसकी प्लीट को संभालते हुए। उन दिनों पिता के पास वही एक कमीज हुआ करती थी, जिसे मेरी मां के भाई विदेश से लाए थे और उसकी बैक के बीच में वह प्लीट थी। फिर वे सामने के हिस्सों पर बारी-बारी से इस्तरी करतीं, जब तक कि शर्ट बहुत अच्छी तरह से आइरन की हुई नहीं दिखने लगती। पिता अपनी पतलून की क्रीज को लेकर भी बहुत सचेत रहते थे। पतलून में एक शार्प क्रीज उनके लिए बहुत जरूरी थी, उन लोगों के विपरीत जिनकी पतलून पर जगह-जगह सिलवटें दिखती थीं और जो खराब इस्तरी का नतीजा हुआ करती थीं। हमारे घर में कभी कोई इस्तरी नहीं थी, न ही इस्तरी करने का कोई फैंसी बोर्ड था। इस्तरी करने के लिए हम हमेशा बरामदे की एक ऊंची सीढ़ी का उपयोग करते और उस पर कुछ दरी या चादरें ठीक से तह करके बिछा देते। घर में न खाने की मेज थी, न पढ़ने की। हर काम जमीन पर बैठकर ही किया जाता था। कभी-कभी मां मुझे अपने स्कूल की यूनिफॉर्म पर इस्तरी करने देतीं ताकि मैं इसे सीख सकूं। लेकिन मेरे अनुभवहीन हाथ उस सिंगल क्रीज को हासिल करने के लिए जद्दोजहद करते रहते और मैं जल्दबाजी कर बैठता। तब वे मुझे दोबारा इस्तरी करके दिखातीं कि यह ठीक तरह से कैसे किया जाता है। लेकिन उस सिंगल क्रीज और कड़क इस्तरी की हुई कमीज का विचार मेरे भीतर बस गया था। कमीज के दो बटनों के बीच डबरा चलाना तो एक कला थी, जिससे हाथ के कुशल उपयोग से सिलवटों को मिटा दिया जाता। कमीज के उस सामने वाले हिस्से पर इस्तरी करना आसान था, जहां बटन होल होते थे। इसकी तुलना में बटन वाले हिस्से पर काम करना कठिन था। उस हल्की नीली कमीज के हर बटन के आसपास डबरा को धीमे, सुनियोजित ढंग से चलाना और कमीज को एकदम साफ, क्रिस्पी रूप देने का वह हुनर भी मेरे मन में बसा रहा।मैं हमेशा सोचता था कि जब कमीज के बटन लगाने पर वह हिस्सा फिर से सिलवटों से भर जाने वाला है, तो उसे इतनी मेहनत से इस्तरी करने की क्या जरूरत है। लेकिन मेरे माता-पिता के लिए परफेक्शन एक निजी सोच थी। मां अच्छी तरह से इस्तरी की हुई सूती साड़ी पहनती थीं और उसकी प्लीट्स इतनी सटीक होती थीं कि अगर उन्हें स्केल से नापा जाए तो सभी बिल्कुल एक समान निकलें। साड़ी की सीधी खड़ी प्लीट और पिता की कमीज में कंधे से कोहनी तक की सटीक क्रीज- ये विवरण आज भी कुछ पुराने फोटो में दर्ज हैं और उन्हें मैं बार-बार निहारता रहता हूं। यह स्टाइल न केवल उन्हें गर्व से भरती, बल्कि यह उनके चेहरों पर तब मुस्कराहट भी ले आती, जब सड़कों पर कोई उन पर नजरें घ्टिका देता था। अगर पिता के लिए पतलून और कमीज की एकदम सीधी क्रीज के साथ चमचमाते हुए जूते आवश्यक थे तो मां हल्के रंग की सूती साड़ी को सलीके से पहनना पसंद करती थीं और पाउडर लगे चेहरे पर कुंकुम की गोल बिंदी बनाती थीं। वे रेडीमेड बिंदी का इस्तेमाल नहीं करती थीं। उन्होंने मुझे यह सिखाया कि जीवन में जो भी करो, उसे अच्छे से अच्छे तरीके से करने की कोशिश करो।

साइबर सुरक्षा के और भी रास्ते

> इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। अधिकत्तर लोकतांत्रिक देशों में सरकारें एप प्री-इंस्टॉल करने को बाध्य नहीं करतीं। वे आमतौर पर साइबर सुरक्षा को कानूनों को सख्त करती हैं, सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स की जिम्मेदारी बढ़ाती हैं और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाती हैं। भारत का मॉडल अपने आप में अद्वितीय है, क्योंकि यहां एक ऐसा एप अनिवार्य किया जा रहा है जिसे यूजर हटाने का विकल्प भी नहीं रखता।

प्रेम शर्मा

संचार साथी एप को लेकर संशय उठना लाजमी था। विश्व में किसी देश की तुलना की जाए तो भारत का मॉडल रूस जैसा दिखता है। रूस में 19 सरकारी एप्स अनिवार्य रूप से प्री-इंस्टॉल होते हैं। इनमें आईडी और सरकारी सर्विसेज के एप शामिल हैं। हाल ही में देश में मैक्स सुपर एप भी अनिवार्य किया गया है। जोकि लोकतांत्रिक देशों में आमतौर पर देखने नहीं मिलता। हाल ही में केंद्र सरकार ने निर्देश दिए थे कि आगामी वर्ष मार्च से हर नये स्मार्टफोन में संचार साथी ऐप पहले इंस्टॉल करना अनिवार्य होगा। दूसरी ओर पुराने स्मार्ट फोनों में इसे सॉफ्टवेयर अपडेट द्वारा भेजा जाएगा। जिसको लेकर विपक्ष ने तीखी प्रतिक्रिया दी और शीतकालीन सत्र में इसे बड़ा मुद्दा बनाया। विपक्ष का कहना था कि इससे निजता का उल्लंघन होगा और व्यक्ति के जीवन में सरकारी हस्तक्षेप बढ़ जाएगा। विपक्ष ने इसे संवैधानिक अधिकारों का अतिक्रमण व नागरिकों की निगरानी करने वाला टूल बताया। इस बहस के बीच विपक्ष को नया मुद्दा मिलते देख केंद्र सरकार ने अनिवार्य तौर पर ऐप प्री-इंस्टॉल करने का अपना फैसला वापस ले लिया। अधिकत्तर लोकतांत्रिक देशों में सरकारें एप प्री-इंस्टॉल करने को बाध्य नहीं करतीं। वे आमतौर पर साइबर सुरक्षा को कानूनों को सख्त करती हैं, सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म्स की जिम्मेदारी बढ़ाती हैं और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ बनाती हैं। भारत का मॉडल अपने आप में अद्वितीय है, क्योंकि यहां एक ऐसा एप अनिवार्य किया जा रहा है जिसे यूजर हटाने का विकल्प भी नहीं रखता। अमेरिका किसी भी सरकारी एप को प्री-इंस्टॉल करने का आदेश नहीं है। यहां साइबर सुरक्षा के लिए दो प्रमुख तरीके अपनाए जाते हैं। सभी टेलीकॉम ऑपरेटरों के लिए प्रोटोकॉल अनिवार्य है, जिससे

कॉल स्पूफिंग रोकी जाती है। यूएस की राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन का 24ध्7 ऑपरेशन सेंटर ब्लॅंजबी साइबर अपराधों पर नजर रखता है। प्रमाणित सूचना प्रणाली लेखा परीक्षक निजी कंपनियों के साथ मिलकर थ्रेट इंटेलिजेंस साझा करता है। यूजर्स पर कोई एप थोपने की बजाय, अमेरिका टार्गेटेड सर्विलांस और मजबूत आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर निर्भर करता है।यूके कोई सरकारी एप प्री-इंस्टॉल नहीं करवाता। यहां ऑनलाइन सेफ्टी एक्ट 2023 टेक कंपनियों पर जिम्मेदारी डालता है। फेसबुक, गूगल जैसे प्लेटफॉर्म्स पर धोखाधड़ी करने वाले कंटेंट और स्कैम रोकने की कानूनी जिम्मेदारी है। यूजर-जनरेटेड कंटेंट की निगरानी भी इन्हीं प्लेटफार्म्स की जिम्मेदारी है। इस मॉडल में सरकार सीधे फोन या एप में हस्तक्षेप नहीं करती। यूरोपीय संघ डाटा प्रोटेक्शन और साइबर सुरक्षा में सबसे सख्त माना जाता है। लेकिन फिर भी ईयू किसी भी सरकारी एप का प्री-इंस्टॉलेशन अनिवार्य नहीं करता। साइबर रेजिलिएंस एक्ट के तहत हर डिवाइस को यूजर इस्तेमाल के पहले ही बॉक्स से बाहर सुरक्षित होना चाहिए। हर डिवाइस में कम से कम 5 साल के सिक्योरिटी अपडेट अनिवार्य हैं। डिजिटल सर्विसेज एक्ट के तहत गूगल, मेटा, टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म स्कैम हटाने के लिए जिम्मेदार हैं। ईयू का म्न्क्ष् वॉलेट एप है लेकिन यह पूरी तरह स्वैच्छिक है। इसके साथ किसी प्री-इंस्टॉलेशन की अनिवार्यता नहीं है।सिंगापुर में स्कैमशील्ड नाम का एप है जो पुलिस डाटाबेस के आधार पर कॉल और एसएमएस फिल्टर करता है। लेकिन एप पूरी तरह वैकल्पिक है। किसी भी फोन में यह प्री-इंस्टॉल नहीं होता। कोरिया ने एक बार स्मार्टशेरिफ नाम का सरकारी एप अनिवार्य किया था, लेकिन यह सिर्फ नाबालिगों के लिए था। यह एक तरह का पैरेंटल कंट्रोल एप था। ये एप संवेदनशील शब्दों पर अलर्ट भेजता था। फिर एप में गंभीर सुरक्षा खामियां मिलने के बाद 2015 में इसे हटा लिया गया। इसके बाद किसी लोकतंत्र में ऐसा कदम दोबारा नहीं उठाया गया। हालकि संचार एप को लेकर भारत सरकार का कहना था कि डिजिटल होती दुनिया में लगातार बढ़ते साइबर अपराधों से नागरिकों को सुरक्षा देने के मकसद से यह पहल की गई थी। उसका कहना था कि लगातार जटिल होते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये ऐसी पहल अपरिहार्य है। लेकिन विपक्ष का आरोप था कि साइबर अपराधों के खिलाफ सुरक्षा के नाम पर सरकारी हस्तक्षेप से नई तरह की असुरक्षा पैदा हो सकती है। बताया जाता है कि सरकार ने स्मार्टफोन में साइबर सुरक्षा ऐप इस तरह इंस्टाल करने को कहा था ताकि उसे डिलीट या अक्षम न किया जा सके। केंद्र की दलील थी कि यह ऐप उपभोक्ता को धोखाधड़ी वाले फोन और संदेशों की रिपोर्ट लिखवाने में मदद करता। साथ ही चोरी किए गए मोबाइल की बरामदगी आसान हो पाती। लेकिन निजी डेटा सुरक्षा व इसकी कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए गए, जिसके चलते इसका विरोध हुआ। वैसे सर्च इंजन में पहले से मौजूद इस ऐप को देश के लाखों लोग पहले ही स्वेच्छा से डाउनलोड कर चुके हैं। लेकिन इसको अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के आदेश के बाद विरोध के स्वर उभरने लगे। जिसके बाद विपक्ष ने आरोप लगाया कि इसके जरिये व्यक्ति की निजता का अतिक्रमण करके उसके जीवन में ताक-झांक की जा सकती है।हालांकि, विरोध के सुर मुखर होने के बाद सरकार की ओर से स्पष्टीकरण आया कि यह निर्णय वैकल्पिक है और कोई व्यक्ति इस ऐप को इच्छानुसार डिलीट कर सकता है। निस्संदेह, निजता हमारा मौलिक अधिकार है। ऐसे में किसी ऐप की अनिवार्यता से व्यक्ति की गोपनीयता में खलल पड़ने की आशंका जतायी जाने लगी। पिछले दिनों सरकार ने व्हाट्स ऐप व टेलीग्राम आदि कम्युनिकेशन ऐप्स संचालक कंपनियों से कहा था कि वे अपनी सेवा को मोबाइल के सिम कार्ड से जोड़कर रखें। ताकि सिम के बिना इन ऐप का दुरुपयोग न हो सके। जिसको लेकर टेलि-कम्युनिकेशन कंपनियों ने सकारात्मक प्रतिसाद दिया था। निस्संदेह, निजता का अधिकार देश में मौलिक अधिकार के रूप में मौजूद है। शीर्ष अदालत ने भी अपने एक निर्णय के जरिये स्पष्ट किया था कि जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता संविधान के अनुच्छेद 21 में राइट टू प्राइवेसी में भी निहित है। जिसके अंतर्गत मोबाइल, इंटरनेट व डिजिटल जानकारियां भी शामिल हैं। ऐसे में राष्ट्रीय सुरक्षा के मुद्दों से इतर व्यक्ति को अपनी डिजिटल संप्रभुता की सुरक्षा का हक है। यही वजह है कि विगत में सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि मोबाइल व निजी कंपनियां उपभोक्ता से आधार कार्ड नहीं मांग सकती। इस फैसले को तब निजता की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना गया था। यही वजह है कि संचार साथी की अनिवार्यता के बाद निजता व व्यक्ति के डेटा में सरकारी दखल को लेकर सवाल उठने लगे। निस्संदेह, आज के डिजिटल युग में व्यक्ति का डेटा बेहद महत्वपूर्ण है।

अव्यवस्था का मोदी मॉडल

> मानो गुजरात भारत का हिस्सा नहीं, नरेन्द्र मोदी की सरपरस्ती में बना हुआ धरती का कोई स्वर्ग है। देश को वैसा ही स्वर्ग जैसा साफ, सुंदर, भ्रष्टाचार मुक्त, हर तरह से विकसित बनाने का दावा श्री मोदी ने किया था। मजे की बात ये है कि 2014 से लेकर 2025 बीतने को है और अब तक यही सपने देश को दिखाए जा रहे हैं। अभी शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले नरेन्द्र मोदी ने पत्रकारों के सामने शब्दों का यही खिलवाड़ किया था, एक राष्ट्रनीति, मजबूत प्रशासन, डिलीवरी और न जाने क्या-क्या। ऐसा लगता है मानो प्रधानमंत्री किसी स्वप्नलोक में ही विचरण करते रहते हैं, जो उन्हें जमीनी हकीकत पता ही नहीं चलता। अन्यथा पिछले पांच दिनों से देश भर के हवाई अड्डों पर अव्यवस्था का जो आलम है, कम से कम उस पर खेद तो प्रकट कर ही सकते थे। लेकिन अगर प्रधानमंत्री मोदी ने किसी बात पर अपनी गलती मान ली, तो फिर सूरज पश्चिम से निकलने लगेगा।मोदी के पहले कार्यकाल से लेकर तीसरे कार्यकाल तक बार-बार जनता ने मनमाने फैसलों से उपजी अव्यवस्था को ही भुगता है। पहले कार्यकाल में 2016 में नोटबंदी का फैसला हो या दूसरे कार्यकाल में 2020 में लगा लॉकडाउन जनता में घबराहट का माहौल बना और इस तीसरे कार्यकाल में यही अफरा-तफरी एसआईआर को लेकर बिहार में बनी, अब देश के बाकी 12 राज्यों में लोग ऐसे ही परेशान हो रहे हैं। वहीं ट्रेनों के साथ-साथ फ्लाइट्स ऑपरेशन की गड़बड़ियों ने लाखों लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। देश में सबसे ज्यादा चलने वाली इंडिगो की उड़ानें पिछले पांच दिनों से रद्द या देरी से चल रही हैं।

देश में चारों तरफ अफरा-तफरी और घबराहट, सड़कों पर उतरे परेशान नागरिक, अपने सवालों के जवाब मांगते लोग ऐसा माहौल अक्सर किसी आपातकालीन अवसर पर बनता है, लेकिन मोदी सरकार में ऐसे नजारे आम हो चुके हैं। 2014 में जब नरेन्द्र मोदी सत्ता संभालने आए तो गुजरात मॉडल का खूब प्रचार किया गया। मानो गुजरात भारत का हिस्सा नहीं, नरेन्द्र मोदी की सरपरस्ती में बना हुआ धरती का कोई स्वर्ग है। देश को वैसा ही स्वर्ग जैसा साफ, सुंदर, भ्रष्टाचार मुक्त, हर तरह से विकसित बनाने का दावा श्री मोदी ने किया था। मजे की बात ये है कि 2014 से लेकर 2025 बीतने को है और अब तक यही सपने देश को दिखाए जा रहे हैं। अभी शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले नरेन्द्र मोदी ने पत्रकारों के सामने शब्दों का यही खिलवाड़ किया था, एक राष्ट्रनीति, मजबूत प्रशासन, डिलीवरी और न जाने क्या-क्या। ऐसा लगता है मानो प्रधानमंत्री किसी स्वप्नलोक में ही विचरण करते रहते हैं, जो उन्हें जमीनी हकीकत पता ही नहीं चलता। अन्यथा पिछले पांच दिनों से देश भर के हवाई अड्डों पर अव्यवस्था का जो आलम है, कम से कम उस पर खेद तो प्रकट कर ही सकते थे। लेकिन अगर प्रधानमंत्री मोदी ने किसी बात पर अपनी गलती मान ली, तो फिर सूरज पश्चिम से निकलने लगेगा।मोदी के पहले कार्यकाल से लेकर तीसरे कार्यकाल तक बार-बार जनता ने मनमाने फैसलों से उपजी अव्यवस्था को ही भुगता है। पहले कार्यकाल में 2016 में नोटबंदी का फैसला हो या दूसरे कार्यकाल में 2020 में लगा लॉकडाउन जनता में घबराहट का माहौल बना और इस तीसरे कार्यकाल में यही अफरा-तफरी एसआईआर को लेकर बिहार में बनी, अब देश के बाकी 12 राज्यों में लोग ऐसे ही परेशान हो रहे हैं। वहीं ट्रेनों के साथ-साथ फ्लाइट्स ऑपरेशन की गड़बड़ियों ने लाखों लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। देश में सबसे ज्यादा चलने वाली इंडिगो की उड़ानें पिछले पांच दिनों से रद्द या देरी से चल रही हैं। इसकी वजह है नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) का एक नया नियम। फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन इस नियम में पायलट्स और क्रूमेंबर्स को पर्याप्त आराम देने जैसे प्रावधान हैं। लेकिन इस नियम को लागू करने से पहले पूरी तैयारी नहीं की गई, लिहाजा इंडिगो को कम से कम हजार फ्लाइट्स रद्द करनी पड़ी। इसके कारण भारी अव्यवस्था फैली और पानी सिर के ऊपर से निकला तो शुक्रवार को नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने बैठक की और सारी व्यवस्थाएं ठीक करने का निर्देश दिया। इस बीच इंडिगो को नियमों में ढील दी गई ताकि वह उड़ान संचालन ठीक से बहाल करे। हालांकि इस पर भी सवाल उठ रहे हैं कि जब नियम पायलट्स की थकान और उनके काम के घंटे निर्धारित करने के लिए था, तो क्या इसमें ढील देना सही है। इधर लगातार पांच दिन से उड़ानों के रद्द होने से अन्य एयरलाइन कंपनियों ने अपने टिकट दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी की तो उसमें भी शनिवार को जाकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय हरकत में आया और घोषणा की कि वह अपने नियामकीय अधिकारों का प्रयोग करते हुए सभी प्रभावित रूट्स पर किराया नियंत्रण लागू कर रहा है।शुक्रवार को इंडिगो का मामला संसद में भी उठा। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि श्इंडिगो की विफलता इस सरकार के एकाधिकार मॉडल की कीमत है।श देरी, कैंसिलेशन और लाचारी के रूप में एक बार फिर, इसकी कीमत आम भारतीयों को चुकानी पड़ रही है। भारत हर क्षेत्र में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का हकदार है, न कि मैच-फिक्सिंग वाले एकाधिकार का।श यहां जिस मैच फिक्सिंग की बात राहुल गांधी ने की है, वह समझना कठिन नहीं है। जिस तरह देश की सारी संपत्ति और संसाधन दो-तीन लोगों के हाथों में ही केन्द्रित हो चुके हैं, वह एक खतरनाक स्थिति है। उद्योगों और उद्योगपतियों को बढ़ावा देना एक बात है, लेकिन वे अपनी शर्तों पर सरकार चलवाने लगे, यह स्थिति न देश के लिए न राजनैतिक दलों के लिए सही होगी। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भी इस बारे में चेतावनी दी है कि उद्योगपति अगर सरकार से अधिक ताकतवर हो जाएं, तो फिर वही होगा जो आज हम भुगत रहे हैं।इधर शनिवार को कांग्रेस ने इंडिगो संकट के लिए केंद्र सरकार से सवाल किया।

सोशल मीडिया पर खूब धूम मचा रहे हैं सिल्वर इन्फ्लुएंसर्स

> चूंकि वह विज्ञापन पर खर्च नहीं कर पा रहे थे तो उन्होंने पनेटोने (एक इटैलियन ब्रेड) के साथ दादी की तस्वीर पोस्ट की और यह खूब बिकी। इससे प्रोत्साहित होकर उन्होंने वीडियो बनाए, जो सोशल मीडिया पर छा गए। जब वीडियो में दादी कहती हैं यह कितना खूबसूरत है या यह कह रहा है कि मुझे खा लो तो यह स्क्रिप्टेड नहीं लगता। लगता है मानो कोई दादी अपने पोते-पोतियों को अच्छी चीजें खिलाने के लिए लुभा रही हो। वह अपनी पसंदीदा पास्ता रेसिपी शेयर करती हैं और लोग तब उन्हें ज्यादा पसंद करते हैं जब वह कहती हैं कि कुकिंग में किसी भी रेसिपी को सौ फीसदी फॉलो करना सबसे बड़ी गलती है। जो उपलब्ध है, उसी से कुछ नया बनाना चाहिए। वह अपने फॉलोअर्स को भी यही आजादी देती हैं कि किचन में जो है, उससे ही काम चलाएं। उनके जैसे लोगों और नेटफ्लिक्स की फिल्म नोनास (इटली में नानियों के लिए संबोधन) से प्रेरित होकर ऐसे कई रेस्टोरेंट शुरू हुए हैं, जहां सभी शेफ इटैलियन ग्रैंड मदर्स हैं। अब दूसरी शख्सियत से मिलिए। 81 साल की विव टूरन कैमरा फोन्स आने के पहले से ही अपनी फोटो खींचने को लेकर बेहद सजग रहती हैं। सिविल सर्विस और ब्रिटिश टेलीकॉम में करियर पूरा करने के बाद विव ने एंटीक का कारोबार किया और फिर अपना आखिरी करियर चुनाद्दफैशन इन्फ्लुएंसर। दुनिया भर में 20 से 65 वर्ष की उम्र के उनके पांच मिलियन फॉलोअर्स हैं। अमेरिका में नॉर्थ कैरोलिना की 81 साल की शेरी ग्रॉसी इंस्टाग्राम पर अपने लगभग 1.30 लाख और टिकटॉक पर 30 हजार फॉलोअर्स को हमेशा प्रोत्साहन देने की कोशिश करती हैं। यह बिजनेसवुमन और ग्रैंडमदर इससे खुश हैं

एन. रघुरामन

वह क्लीनर का काम कर चुकीं, फिर सीमस्ट्रेस यानी सिलाई करने वाली बनीं, फिर पोल्ट्री होलसेलर और उसके बाद वाइनमेकर बनीं। मौजूदा पेशे के पहले वह ऑलिव ऑयल बनाती थीं। लेकिन इतने काम करने के बावजूद वह आज भी मोबाइल चलाना नहीं जानतीं। फिर भी उनके अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 8 मिलियन फॉलोअर्स हैं और आज उनका जॉब हैद्द इन्फ्लुएंसर। पिछले हफ्ते इटली के मिलान में एक भव्य समारोह में उन्हें 2.6 मिलियन वोटों के साथ टिकटॉकर ऑफ द ईयर 2025 चुना गया। ये हैं 84 साल की सिलवाना बिनी। हैरानी की बात यह है कि वह खुद न रील बनाती हैं और न देखती हैं। फिर भी सोशल मीडिया हीरो हैं। लोग उनसे मिलते हैं तो कहते हैं कि आप तो बिल्कुल वैसी ही हैं, जैसा टिकटॉक पर दिखती हैं। और वह जवाब देती हैं, मुझे और कैसे दिखना चाहिए? आप जानते हैं वह ऐसा क्यों कहती हैं? क्योंकि वह किसी से भी, कैमरे से भीद्द बहुत सहज होकर बात कर लेती हैं। इसीलिए उनके 29 साल के पोते गैब्रिएले मार्टिनी रील बना कर पोस्ट करते हैं। मार्टिनी को यह आइडिया तब आया, जब 2023 में वह अपनी फैमिली बेकरी को प्रमोट करने के तरीके ढूंढ रहे थे। चूंकि वह विज्ञापन पर खर्च नहीं कर पा रहे थे तो उन्होंने पनेटोने (एक इटैलियन ब्रेड) के साथ दादी की तस्वीर पोस्ट की और यह खूब बिकी। इससे प्रोत्साहित होकर उन्होंने वीडियो बनाए, जो सोशल मीडिया पर छा गए। जब वीडियो में दादी कहती हैं यह कितना खूबसूरत है या यह कह रहा है कि मुझे खा लो तो यह स्क्रिप्टेड नहीं लगता। लगता है मानो कोई दादी अपने पोते-पोतियों को अच्छी चीजें खिलाने के लिए लुभा रही हो। वह अपनी पसंदीदा पास्ता रेसिपी शेयर करती हैं और लोग तब उन्हें ज्यादा पसंद करते हैं जब वह कहती हैं कि कुकिंग में किसी भी रेसिपी को सौ फीसदी फॉलो करना सबसे बड़ी गलती है। जो उपलब्ध है, उसी से कुछ नया बनाना चाहिए। वह अपने फॉलोअर्स को

भी यही आजादी देती हैं कि किचन में जो है, उससे ही काम चलाएं। उनके जैसे लोगों और नेटफ्लिक्स की फिल्म नोनास (इटली में नानियों के लिए संबोधन) से प्रेरित होकर ऐसे कई रेस्टोरेंट शुरू हुए हैं, जहां सभी शेफ इटैलियन ग्रैंड मदर्स हैं। अब दूसरी शख्सियत से मिलिए। 81 साल की विव टूरन कैमरा फोन्स आने के पहले से ही अपनी फोटो खींचने को लेकर बेहद सजग रहती हैं। सिविल सर्विस और ब्रिटिश टेलीकॉम में करियर पूरा करने के बाद विव ने एंटीक का कारोबार किया और फिर अपना आखिरी करियर चुनाद्दफैशन इन्फ्लुएंसर। दुनिया भर में 20 से 65 वर्ष की उम्र के उनके पांच मिलियन फॉलोअर्स हैं। अमेरिका में नॉर्थ कैरोलिना की 81 साल की शेरी ग्रॉसी इंस्टाग्राम पर अपने लगभग 1.30 लाख और टिकटॉक पर 30 हजार फॉलोअर्स को हमेशा प्रोत्साहन देने की कोशिश करती हैं। यह बिजनेसवुमन और ग्रैंडमदर इससे खुश हैं कि सोशल मीडिया अब उनकी उम्र की महिलाओं को भी ब्यूटी इन्फ्लुएंसर के रूप में अपना रहा है। वह उम्रदराज लोगों के लिए यह साबित करना चाहती हैं कि कोई भी उन्हें लेकर रूढ़िवादी सोच ना रखे। वे कहती हैं कि अगर मैं 80 की उम्र में यह कर सकती हूं, तो कोई भी कर सकता है। यह सच है कि 80 अब नया 60, और 60 अब नया 40 है।दुनिया भर में अलग-अलग उम्र के ऐसे लोग हैं, जो अपने ही जैसों को देखना चाहते हैं। 50 की उम्र के लोग 20 साल के मेकअप करते लोगों को नहीं देखना चाहते। क्योंकि, जो उनके लिए काम का है, वो 80 की उम्र वालों के लिए कारगर नहीं। ये सिल्वर इन्फ्लुएंसर्स जान गई हैं कि ज्यादातर महिलाएं ऐसी महिला ही देखना चाहती हैं, जो उनका प्रतिनिधित्व करती हो। ऐसी नहीं, जो आकर्षक बैकड्रॉप के आगे सजधज कर खड़ी हो। वे ऐसे वीडियो चाहती हैं जो जिंदगी की असलियत दिखाते हों।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ धमाल मचाकर लंदन रवाना हुए कोहली

मुंबई। पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली रविवार को लंदन रवाना हो गए। उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। अब वह विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भारत लौटेंगे। भारतीय वनडे टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रविवार को लंदन रवाना हो गए। वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज का हिस्सा थे। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच शनिवार को विशाखापत्तनम में तीसरा वनडे मैच खेला गया था जिसमें भारत ने नौ विकेट से जीत दर्ज कर 2-1 से सीरीज अपने नाम की थी। अब कोहली विजय हजारे ट्रॉफी खेलने के लिए भारत लौटेंगे। मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए विराट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद विराट कोहली रविवार को लंदन रवाना हो गए। उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। अब वह विजय हजारे ट्रॉफी में खेलने के लिए भारत लौटेंगे।

कौन हैं एनेलिया फ्रेजर? युवराज के साथ करवाया हॉट फोटोशूट, कभी खेल के मैदान में बिखेरा था जलवा

हाल ही में भारतीय पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के साथ विदेशी मॉडल के फोटोशूट की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। आखिर कौन हैं एनेलिया फ्रेजर जिनकी बिंदास अदाओं का जलवा अब विदेश से लेकर भारत तक में देखने को मिल रहा है।

भारत के स्टार पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह हाल ही में एक हॉट फोटोशूट में विदेशी बाला के साथ नजर आए हैं। मॉडल और खिलाड़ी के साथ युवराज के फोटोशूट की कई तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। जिस किसी ने भी युवराज का ये हॉट फोटोशूट देखा वो बस इसी सोच में पड़ गया है कि आखिरकार ये हसीना हैं कौन। दरअसल

इस हॉट फोटोशूट में नजर आ रहीं मॉडल का नाम है- एनेलिया फ्रेजर। चलिए आपको बताते हैं आखिर कौन हैं ये मॉडल जिनकी हॉट अदाएं अक्सर सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोरती हैं। कौन हैं एनेलिया फ्रेजर? युवराज के साथ फोटोशूट में नजर आ रहीं विदेशी हसीना कोई और नहीं बल्कि कनाडा की मशहूर टेनिस प्लेयर और मॉडल हैं। कनाडा की ये एथलीट खेल के मैदान के बाद अब मॉडलिंग और अभिनय की ओर रुख कर चुकी हैं। एनेलिया फ्रेजर का जीवन किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं रहा। खेल की दुनिया से शुरू हुआ उनका सफर अब ग्लैमर इंडस्ट्री में नई पहचान बना रहा है। टेनिस कोर्ट से हुई शुरूआत एनेलिया फ्रेजर कनाडा की प्रोफेशनल टेनिस खिलाड़ी रही हैं। युवा उम्र से ही वह कई अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूनार्मेंट्स में हिस्सा ले चुकी हैं।

2017 के हाई-प्रोफाइल एक्ट्रेस यौन उत्पीड़न मामले में 8 साल बाद आया फैसला, सभी आरोपों से बरी हुए एक्टर दिलीप

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को हिला देने वाली 2017 की एक्ट्रेस अपहरण और यौन उत्पीड़न केस में सोमवार को एक महत्वपूर्ण मोड़ आया। लंबे समय से चल रही कानूनी प्रक्रिया के बाद एनार्कुलम प्रिंसिपल सेशंस कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए एक्टर दिलीप को सभी आरोपों से बरी कर दिया। वहीं, इस केस से जुड़े पहले से छठे तक के मुख्य आरोपियों को दोषी पाया गया है। यह फैसला लगभग आठ वर्षों की सुनवाई, 200.गवाहों और कई दौर की फॉरेंसिक जांच के बाद सामने आया। ट्रायल दस्तावेजों और जांच रिपोर्ट के अनुसार- 17 फरवरी 2017 की रात एक्ट्रेस की कार का पीछा किया गया। मुख्य आरोपी पल्सर सुनी और उसके साथी जबरन कार में घुस आए। चलती कार में उन्होंने एक्ट्रेस के साथ मारपीट, यौन उत्पीड़न और गैंगरेप किया। इस घटना के वीडियो भी रिकॉर्ड किए गए, जिन्हें बाद में धमकी देने के लिए उपयोग किया जाना था। कोर्ट ने माना कि पूरी घटना पूर्व-नियोजित साजिश के तहत की गई। अपराधियों ने अपहरण, बंधक बनाना, शील भंग, गैंगरेप और इलेक्ट्रॉनिक अपराध जैसी कई गंभीर धाराओं के तहत अपराध किया। मलयालम के फेमस एक्टर दिलीप को जांच एजेंसी ने इस केस में आठवां आरोपी बनाया था। उन पर आरोप था कि उन्होंने पल्सर सुनी गैंग के साथ अपराध की योजना बनाई। जांच के दौरान सबूत छिपाने, गवाहों को प्रभावित करने और जमानत की शर्तों का उल्लंघन करने की कोशिश की। लेकिन, गवाहों की विस्तृत जिरह, तकनीकी सबूतों की फॉरेंसिक जांच और कई वर्षों की सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा कि दिलीप की संलिप्तता साबित करने के लिए पर्याप्त प्रमाण मौजूद नहीं हैं। इसलिए उन्हें पूरी तरह बरी किया जाता है। यह केस शुरू से ही बेहद हाई-प्रोफाइल रहा। सुनवाई के दौरान 200 से अधिक गवाह पेश किए गए। फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों ने गवाही दी। इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, व्हाट्सऐप चौट, कॉल रिकॉर्ड और वीडियो फुटेज की फॉरेंसिक जांच हुई। जांच अधिकारियों और टीम को कई बार बदला गया। दिलीप की जमानत रद्द कराने के प्रयास भी सुर्खियों में रहे। जज हनी एम. वर्गीज ने अपने फैसले में स्पष्ट कहा प्रॉसिक्यूशन के सबूत केवल मुख्य आरोपियों की भूमिका साबित कर पाए। दिलीप के खिलाफ प्रत्यक्ष या तकनीकी प्रमाण नहीं मिल सके। दिलीप ने कोर्ट के फैसले पर राहत जताई और कहा कि सच सामने आ गया। वहीं, पीड़िता की ओर से बयान आया कि वे फैसले की कॉपी मिलने के बाद हाई कोर्ट में अपील पर विचार करेंगी।

बिग बॉस 19 फिनाले में सलमान खान ने कन्फर्म की किक 2 पर काम करने की बात

सलमान खान वह नाम है जिसे पूरी दुनिया जानती है, एक ऐसा स्टार जिसकी चमक सरहदों और संस्कृतियों से भी आगे जाती है। बॉलीवुड के सबसे बड़े एक्टर्स में से एक, उनके पास ऐसा फैन बेस है जो किसी और के पास नहीं, जो हमेशा वफादार, जुनूनी और हमेशा उन्हें बड़े पर्दे पर अपना जादू बिखेरते देखने के लिए तैयार रहता है। जब भी सलमान खान की फिल्म रिलीज होती है, थिएटर त्योहार जैसा माहौल ले लेते हैं और फैंस सिनेमाघरों में उमड़ पड़ते हैं, सिर्फ उनकी स्टाइल, उनका चार्म और उनकी दमदार मौजूदगी देखने के लिए। दर्शक लंबे समय से उनकी किसी बड़ी वापसी का इंतजार कर रहे थे और अब सुपरस्टार ने उन्हें खुश होने का मौका दे ही दिया है। हाल ही में बिग बॉस 19 के ग्रैंड फिनाले में सलमान खान ने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दी। एक कंटेस्टेंट से बात करते हुए उन्होंने बताया कि वे अब किक 2 पर काम शुरू कर चुके हैं। एक पल में वायरल हुई उनकी लाइन थी, मैं अभी किक 2 कर रहा हूँ। इस ऐलान ने इंटरनेट पर तूफान मचा दिया और फैंस की खुशी सातवें आसमान पर पहुँच गई। पहली किक सलमान की सबसे बड़ी और सबसे पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक रही है। रिलीज के समय इसने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त धमाका किया था।

'आपको याद करती हूं पापा', धर्मेंद्र के जन्मदिन पर बेटी एशा हुई भावुक, तस्वीरें साझा कर लिखा लंबा-चौड़ा नोट

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र की आज बर्थ एनिवर्सरी है। कुछ दिन पहले ही दुनिया को अलविदा कह गए धरम जी को बेटी एशा देओल ने याद किया है।

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता धर्मेंद्र की आज बर्थ एनिवर्सरी है। धरम जी का बीते 24 नवंबर को निधन हो गया था जिसके बाद उनके फैंस से लेकर परिवार-इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई। धर्मेंद्र आज पूरे 90 साल के हो जाते। इस मौके पर उनकी बेटी एशा देओल ने उन्हें याद किया है। धर्मेंद्र के साथ कुछ तस्वीरें साझा करते हुए एशा ने लंबा-चौड़ा कैप्शन भी लिखा है। एशा ने धरम जी को किया याद एशा ने धरम जी की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा- 'मेरे प्यारे पापा। हमारा वादाङ्कसबसे मजबूत बंधन। 'हम'ङ्क हर जन्म में, हर लोक में और उससे भी आगेङ्क हम हमेशा साथ हैं पापा। चाहे स्वर्ग हो या पृथ्वी- हम एक हैं। फिलहाल, मैंने आपको बहुत कोमलता, बहुत सावधानी और बहुत प्यार से अपने दिल में सहेज लिया है बहुत गहराई में, ताकि इस जन्म के हर पल में आपको अपने साथ लेकर चल सकूं। आपकी जादुई और अनमोल यादें जीवन के पाठ, आपकी सीख, आपका मार्गदर्शन, आपकी गर्माहट, आपका बिना शर्त प्रेम, आपकी गरिमा और वह शक्ति- जो आपने मुझे अपनी बेटी होने के नाते दी- उसकी कोई बराबरी नहीं हो सकती।' आगे एशा लिखती हैं- 'मैं आपको बेहद दर्द के साथ याद करती हूं पापा आपके नरम पर मजबूत हाथ, जिनमें अनकही बातें छिपी होती थीं और आपका मेरा नाम लेकर पुकारना, जिसके बाद लंबी बातें, हंसी और शायरियां होती थीं। आपका मूल मंत्र- हमेशा विनम्र रहो, खुश रहो, स्वस्थ और मजबूत रहो। मैं वादा करती हूं कि आपकी विरासत को गर्व और सम्मान के साथ आगे बढ़ाऊंगी। और मैं पूरी कोशिश करूँगी कि आपका प्यार उन लाखों तक पहुंचाऊं, जो आपको उतना ही चाहने हैं, जितना मैं चाहती हूं। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं पापा। आपकी प्यारी बेटी, आपकी एशा, आपकी बिट्टू।'

आमिर खान ने बताई सितारे जमीन पर की सफलता की वजह, कहा- मैं हमेशा कहानी पर भरोसा करता हूं

बॉलीवुड स्टार और फिल्मकार आमिर खान की फिल्म सितारे जमीन पर इसी साल 20 जून को रिलीज हुई थी, जिसे दर्शकों का खूब प्यार मिला। साथ ही इसने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छी कमाई की थी। वहीं, अब हाल ही में आमिर ने सितारे जमीन पर की सफलता को लेकर खुलकर बात की है। हाल ही में एक समिट में शामिल हुए आमिर खान से जब सितारे जमीन पर की सफलता को लेकर पूछा गया तो एक्टर ने कहा- ह्लयह मेरे लिए बहुत हिम्मत देने वाली बात है, क्योंकि मैं हमेशा से कहानी पर भरोसा करता हूँ। मेरा मानना है कि किसी भी जॉनर की फिल्म हो, एक्शन या थ्रिलर उसमें अच्छी कहानी जरूरी है। टेक्नोलॉजी बदलती रहती है, लेकिन यह नहीं बदलता कि लोग कहानी से जुड़ते हैं। मेरे लिए तो यह मेरे काम की सबसे बुनियादी बात है। इससे पहले जब उनसे पूछा गया, सितारे जमीन पर के लिए ऐसा कौन-सा तारीफ भरा कमेंट मिला जिसने आपको सच में हैरान कर दिया? तो एक्टर ने कहा, दर्शकों की प्रतिक्रियाएं देखना बहुत भावुक करने वाला था। खासकर वे लोग जो किसी दिक्कत से गुजर रहे हैं, जो न्यूरोएटिपिकल हैं उनकी प्रतिक्रिया, उनके परिवार वालों की प्रतिक्रिया, माता-पिता, भाई-बहनों की खुशी३यह सब देखना बहुत दिल छूलेने वाला था। मुझे लगता है कि इस कम्युनिटी ने इस फिल्म को सच में अपना लिया और यह देखना बहुत अच्छा लगा। इसके साथ ही, मुझे यह भी बहुत खुशी हुई कि फिल्म दुनिया भर के आम दर्शकों से भी जुड़ पाई। काम की बात करें तो आमिर खान के पास कई अपकमिंग प्रोजेक्ट हैं। हाल ही में उन्होंने हैप्पी पटेल की घोषणा की है, जो उनके अपने बैनर आमिर खान प्रोडक्शंस के तहत बन रही है। इसके साथ ही वह लाहौर 1947 में भी नजर आएंगे, जिसका निर्देशन राजकुमार संतोषी कर रहे हैं।

स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं कनिका कपूर, अचानक शख्स ने किया हमला;

कनिका कपूर का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में एक शख्स कनिका से बदसलूकी करता नजर आ रहा है।

कनिका कपूर आज फिर से चर्चा में हैं। आज कनिका अपने किसी गाने की वजह से नहीं बल्कि उनके साथ कॉन्सर्ट में हुए हादसे की वजह से सुर्खियों में बनी हुई हैं। कनिका का एक वीडियो कॉन्सर्ट के दौरान का सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक शख्स उनके साथ बदसलूकी करता नजर आ रहा है। वायरल वीडियो कनिका कपूर बॉलीवुड की पसंदीदा गायिकाओं में से एक हैं। वह एक दशक से भी ज्यादा समय से लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। हाल ही में एक कॉन्सर्ट के दौरान कनिका पर एक शख्स ने हमला कर दिया, जो मंच पर पहुंचकर उन्हें उठाने की कोशिश कर रहा था। वो तो गनीमत है कि गायिका के सुरक्षाकर्मी सक्रिय थे और उन्होंने उस व्यक्ति को मंच से नीचे उतार दिया। इस घटना के कई वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। कनिका का यह वीडियो कल रात के मे-गोंग फेस्टिवल के दौरान का है। यूजर्स के कमेंट्स कनिका का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जहां कुछ लोगों का कहना है कि ये कनिका का

कोहली-अर्शदीप के वीडियो पर कुलदीप-जुरेल का मजेदार रिएक्शन

विशाखापत्तनम। जहां मैच ने फैंस को रोमांच दिया, वहीं ड्रेसिंग रूम के इन बिहाइंड द सीन पलों ने भारतीय क्रिकेट फैंस का दिल जीत लिया। विराट और अर्शदीप की यह मजेदार बातचीत फिर साबित करती है कि टीम इंडिया सिर्फ मैदान में ही नहीं, मैदान के बाहर भी एक यूनिट की तरह जीती है। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुई रोमांचक वनडे सीरीज के तीसरे मैच के बाद टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम का माहौल किसी कॉमेडी शो जैसा नजर आया। वजह? विराट कोहली और अर्शदीप सिंह की एक मजेदार इंस्टाग्राम रील, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। मैदान पर जब ट्रॉफी लेने के लिए टीम इकट्ठा हुई, तो माहौल बहुत खुशनुमा था और खिलाड़ी उस पल को एंजॉय करते दिखे, लेकिन कोहली और अर्शदीप के वीडियो ने महफिल लूट ली। वहीं, कोहली ने जब अर्शदीप पर चुटकी ली, तो कुलदीप यादव और ध्रुव जुरेल भी हंसी नहीं रोक सके। एक बिंदास बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो में दोनों की रिएक्शन भी सामने आई है, जो अब अलग से वायरल हो रहा है।

अमेरिकी सांसदों ने जारी किया वार्षिक रक्षा नीति विधेयक

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन। अमेरिकी वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ सहयोग बढ़ाने और क्वाड के माध्यम से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा मजबूत करने पर जोर दिया गया है। विधेयक में कहा गया है कि रक्षा मंत्री को विदेश मंत्री के साथ मिलकर योजना बनानी चाहिए ताकि अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के बीच रक्षा सहयोग और क्षमता बढ़े। अमेरिकी वार्षिक रक्षा नीति विधेयक में भारत के साथ सहयोग को व्यापक बनाने पर जोर दिया गया है। इसमें क्वाड के जरिये सहयोग बढ़ाने की बात भी कही गई है, ताकि एक स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाए रखा जा सके और चीन की चुनौती का सामना किया जा सके। सांसदों ने रविवार को 2026 के वित्तीय वर्ष के लिए 'नेशनल

डिफेंस ऑथोराइजेशन एक्ट' विधेयक जारी किया। इसमें हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों के बारे में कांग्रेस की राय बताई गई है। इसमें कहा गया है कि रक्षा मंत्री को ऐसे प्रयास जारी रखने चाहिए जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी रक्षा गठबंधनों और साझेदारियों को मजबूत करें, ताकि चीन के साथ रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में अमेरिका का 'तुलनात्मक लाभ' बढ़ाया जा सके। इन प्रयासों में भारत के साथ क्वाड के जरिये अमेरिकी सहयोग का विस्तार शामिल है। इसमें द्विपक्षीय और बहुपक्षीय सहयोग, सैन्य अभ्यासों में भागीदारी, रक्षा व्यापार का विस्तार और मानवीय सहायता तथा आपदा प्रतिक्रिया में सहयोग शामिल हैं, ताकि एक स्वतंत्र और खुला हिंद-प्रशांत क्षेत्र बनाए रखा जा सके। इसके अलावा, इसमें भारत के साथ समुद्री सुरक्षा पर अधिक सहयोग की संभावना पर जोर दिया गया है। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन के आक्रामक व्यवहार का सामना करने के लिए 2017 में यह समूह बनाया गया था। रक्षा नीति विधेयक में यह भी कहा गया है कि रक्षा मंत्री को विदेश मंत्री के साथ तालमेल बनाकर एक योजना बनानी चाहिए और चलानी चाहिए, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका और उसके सहयोगी देशों की रक्षा औद्योगिक क्षमताओं के बीच सहयोग मजबूत हो सके। यह पहल सभी देशों के रक्षा उद्योगों को मजबूत करेगी। इसमें उनकी क्षमता बढ़ाना, उत्पादन और कर्मचारियों को बढ़ाना, आपूर्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना, विभिन्न देशों की प्रणालियों को एक-दूसरे के साथ काम करने योग्य बनाना और देशों के बीच तालमेल बढ़ाना शामिल है।

पूर्व पीएम खालिदा जिया का स्वास्थ्य गंभीर लंदन में होगा उपचार

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया गंभीर रूप से बीमार हैं। उन्हें उपचार के लिए लंदन ले जाया जा रहा है। इसके लिए कतर की ओर से एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराई गई है। खालिदा को उपचार के लिए कल लंदन ले जाया जाएगा। गंभीर रूप से बीमार बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया को चिकित्सा उपचार के लिए लंदन ले जाने के लिए एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराई जा रही है। यह एयर एंबुलेंस कल ढाका में उतरेगी। विमानन अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बांग्लादेश के विमानन प्राधिकरण (सीएबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि इस विमान को मंगलवार सुबह आठ बजे उतरने का समय दिया गया है और यह उसी दिन रात नौ बजे लंदन के लिए उड़ान भरेगा। समाचार पोर्टल टीबीएस न्यूज के मुताबिक, यह विमान कतर सरकार ने उपलब्ध कराया है, जिसे जर्मनी स्थित विमानन समूह एफएआई से किराए पर लिया गया है। पहले की योजना में एफएआई ने मंगलवार को उतरने और बुधवार को लंदन के लिए उड़ान भरने की मंजूरी मांगी थी। खालिदा जिया (80 वर्षीय) बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष हैं। वह ढाका में एवरकेयर अस्पताल में करीब दो हफ्ते से कई बीमारियों का उपचार करवा रही हैं। तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी खालिदा की पहले एयर एंबुलेंस से शुक्रवार सुबह रवाना होने की उम्मीद थी। लेकिन बाद में बीएनपी ने कहा कि तकनीकी समस्याओं के कारण विमान की आगमन में देरी हुई। एयर एंबुलेंस कतर के अमीर की ओर से उपलब्ध कराई गई है। उनकी रविवार को प्रस्थान होने की योजना में बदलाव किया गया, क्योंकि वह लंबी दूरी के लिए अभी भी अस्वस्थ हैं। उनके निजी चिकित्सक और बीएनपी की नीति निर्धारण स्थायी समिति के सदस्य डॉ. एजएम जाहिद हुसैन ने शनिवार को पत्रकारों को बताया था कि खालिदा जिया की लंदन यात्रा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई है। ढाका में कतर दूतावास ने कहा कि बदली गई एयर एंबुलेंस बॉम्बार्डियर चैलेंजर (सीएल-60 सीरीज) पूरी तरह से गहन उपचार उपकरणों से लैस है, जिसमें वेंटिलेटर, मॉनीटर, इन्फ्यूजन पंप और ऑक्सीजन सिस्टम शामिल हैं और इसमें डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिक्स हैं, जो हवाई यात्रा में गहन देखभाल प्रदान करने के लिए प्रशिक्षित हैं।

यूरोपीय पेट्रोल-डीजल प्रतिबंध पर कार कंपनियों की आखिरी कोशिश, क्या 2035 की समयसीमा टल सकती है

नई दिल्ली। 2035 तक सभी नई कारों को इलेक्ट्रिक में बदलने का लक्ष्य 2023 में एव की एनवायरनमेंटल ग्रीन डील के एक खास कदम के तौर पर और 2050 तक क्लाइमेट न्यूट्रैलिटी हासिल करने की दिशा में एक अहम कदम के तौर पर तय किया गया था। यूरोप की संघर्षरत ऑटो इंडस्ट्री और उसके समर्थक यूरोपीय संघ (ईयू) पर 2035 से नए पेट्रोल और डीजल वाहनों की बिक्री पर लगने वाले प्रतिबंध को नरम करने का दबाव बढ़ा रहे हैं। उम्मीद है कि इस साल के आखिर तक कोई बड़ा फैसला आ

सकता है। यूरोपीय आयोग 10 दिसंबर को इस लक्ष्य की समीक्षा करेगा, जिसे 2050 तक ₹क्लाइमेट न्यूट्रल₹ बनने की योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। ग्रीन डील के लक्ष्य पर सवाल 2023 में ईयू ने यह लक्ष्य इसलिए तय किया था क्योंकि माना गया था कि ऑटोमोबाइल सेक्टर को डिकाबोर्नाइज करना अन्य उद्योगों की तुलना में आसान होगा। लेकिन उद्योग संगठन अउएअ के मुताबिक, वास्तविक स्थिति कहीं ज्यादा जटिल निकली है। उधर, चीन यूरोपीय बाजार में सस्ते इलेक्ट्रिक वाहनों की बाढ़ ला चुका है, जिससे यूरोपीय निमार्ताओं को संकट, नौकरियों में कटौती और संभावित फैक्टरी बंद होने का डर सताने लगा है। फ्रांस के ऑटो उद्योग समूह के प्रमुख ने चेतावनी दी है, ₹जमीन पैर के नीचे से खिसक रही है। जर्मनी और इटली छूट की मांग पर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ईयू से यह आग्रह कर रहे हैं कि 2035 के बाद भी प्लग-इन हाइब्रिड, रेंज-एक्सटेंडर वाहन, और हाई-एफिशिएंसी इंजन की बिक्री को अनुमति दी जाए। फ्रांस लक्ष्य से पीछे हटने के खिलाफ इसके उलट फ्रांस चाहता है कि 2035 का ₹ऑल-इलेक्ट्रिक₹ लक्ष्य जस का तस रखा जाए, ताकि बैटरी और ईवी में की गई भारी निवेश सुरक्षित रह सके। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने चेतावनी दी, ₹अगर हम 2035 लक्ष्य छोड़ते हैं, तो यूरोप में बैटरी प्लांट्स पर भी पानी फिर जाएगा।₹ फ्रांस ने ईयू से यूरोपीय बैटरी निर्माण को बढ़ावा देने और कॉरपोरेट फ्लीट को यूरोप में बनी इलेक्ट्रिक कारें अनिवार्य करने का सुझाव दिया है। जर्मनी इस नियम का विरोध कर रहा है। बीएमडब्ल्यू के सीईओ ऑलिवर जिप्से का तर्क है कि कॉरपोरेट फ्लीट को पूरी तरह इलेक्ट्रिक बनाना ₹पीछे के दरवाजे से इंजन बैन लागू करने जैसा होगा। बायोफ्यूल पर विवाद ट्रांसपोर्ट एंड एनवायरनमेंट के विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि बायोफ्यूल को छूट देना गंभीर गलती होगी।

कंबोडिया-थाईलैंड के बीच फिर बढ़ा तनाव हवाई हमले जारी, हिंसक झड़प में एक थाई सैनिक की मौत

बैंकॉक। थाईलैंड ने कंबोडिया के साथ विवादित सीमा क्षेत्र में हवाई हमले किए हैं। दोनों देशों ने एक-दूसरे पर शांति समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया। इससे पहले झड़प में एक थाई सैनिक की मौत हुई और चार घायल हुए, जिसके

बाद थाई सेना ने यह कार्रवाई की है। जुलाई में पांच दिन चले संघर्ष में 48 लोग मारे गए थे और तीन लाख से ज्यादा लोग विस्थापित हुए थे। थाईलैंड ने कंबोडिया के साथ विवादित सीमा क्षेत्र में हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। थाई सैन्य अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि यह कार्रवाई उस समय की गई, जब दोनों देशों ने एक-दूसरे पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कराए गए संघर्षविराम समझौते को तोड़ने का आरोप लगाया। थाई सेना के बयान के मुताबिक, पूर्वी प्रांत उबोन रत्चाथानी के दो इलाकों में ताजा झड़पों में एक थाई सैनिक की मौत हुई और चार घायल हुए। सेना ने कहा कि उनके जवानों पर कंबोडिया की ओर से गोलीबारी की गई, जिसके बाद उन्होंने कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमला शुरू किया। वहीं, कंबोडिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि थाई सेना ने आज सुबह उनके दो सैन्य ठिकानों पर हमले किया। मंत्रालय ने दावा किया कि पिछले कई दिनों से थाई सेना उकसाने वाली गतिविधियां कर रही है और कंबोडियाई सैनिकों ने जवाबी कार्रवाई नहीं की। जुलाई में चला पांच दिन का संघर्ष दोनों देशों के बीच जुलाई में तनाव भड़का था। तब पांच दिन तक संघर्ष चला। इसके बाद मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम और ट्रंप की मध्यस्थता में संघर्षविराम कराया गया था। अक्तूबर में कुआलालंपुर में दोनों देशों ने विस्तारित शांति समझौते पर हस्ताक्षर भी किए थे। जुलाई के संघर्ष में 48 लोग मारे गए थे और करीब तीन लाख लोग अस्थायी रूप से विस्थापित हुए थे। दोनों देशों ने उस समय भारी तोपखाने और रॉकेट दागे थे। सैनिक के घायल होने के बाद थाई सेना ने समझौते पर लगाई रोक पिछले महीने एक लैंडमाइन विस्फोट में थाईलैंड का एक सैनिक घायल हो गया था। इसके बाद थाई सरकार ने कंबोडिया के साथ किए गए संघर्षविराम समझौते को रोक दिया था। थाई सेना ने बताया कि सीमा के चार जिलों से तीन लाख 85 हजार से अधिक नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा जा रहा है और अब तक 35 हजार से ज्यादा लोग अस्थायी शिविरों में पहुंच चुके हैं। 100 साल पहले शुरू हुआ विवाद थाईलैंड और कंबोडिया के बीच 817 किलोमीटर लंबी जमीनी सीमा को लेकर सौ साल से विवाद चल रहा है। इस सीमा के कुछ हिस्सों पर संप्रभुता को लेकर विवाद है। 1907 में फ्रांस ने कंबोडिया पर शासन करते समय पहली बार इस सीमा का नक्शा तैयार किया था। इसके बाद कई बार तनाव भड़क चुका है। 2011 में एक सप्ताह तक तोपों की लड़ाई चली। हालांकि दोनों देश विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की कोशिश करते रहे हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/ इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/ लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु, आनलाईन 'खुली' ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है :- (1) ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2025-191 (Two Packet System), कार्य का नाम : कवर शेड के साथ रैंप के साथ पहले फुट ओवर ब्रिज का प्रावधान (स्टेशन 4), एनएसजी-3 स्टेशन- बभनजोतिया (बीएनजीजे), रफीनगर (आरएफआर) और सिहापार (एसआईपीआर) और एनएसजी-6 स्टेशन- चिल्हिया (सीआईएच), अनुमानित लागत (₹) : 14,58,36,182.00, अग्रिम धन (₹) : 8,79,200.00, समापन अवधि -15 माह (2) ई-निविदा संख्याः NER-LJN-2025-192, कार्य का नाम: (1) गोंडा-सुभागपुर-TRR(P)-4.600 Km. (Km 213/4-218/0=4.6 Kms). (2) आनंदनगर-बढ़नी-TRR(S) BG-लूप्स-7.3 km. सीनियर DEN-HQ-LJN के अधिकार क्षेत्र में. (3) गोरखपुर-नकहा जंगल ISD-5.900 km (GKP-JEA-लाइन-km 0/0-0/9 में = 0.90 kms और 1/5-6/5=5.00 kms) सीनियर DEN/I/LJN के अधिकार क्षेत्र में., अनुमानित लागत (₹) : 3,90,06,450.00, अग्रिम धन (₹) : 3,45,000.00, समापन अवधि -09 माह 1. उपरोक्त ई-निविदा संख्या NER-LJN-2025-191 - 192 के लिये ई-निविदा दिनांक 30.12.2025 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी। 2. उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम् अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाईट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाईट पर उपलब्ध शुद्धिपत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग,
मुजाधि/डब्ल्यू-357 पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

तेज, असरदार और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीति का बचाव करते हुए कहा कि विदेशी देशों पर लगाया जा रहा शुल्क तेज, सीधा और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक है। ट्रंप का दावा है कि कई देश वर्षों से अमेरिका का फायदा उठाते रहे हैं, इसलिए कड़े कदम जरूरी थे। उन्होंने कहा कि टैरिफ लगाने का अधिकार कानूनी है, इसी कारण उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से भी इसकी मंजूरी मांगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को अपनी टैरिफ (आयात शुल्क) नीति का बचाव किया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार जिस तरीके से विदेशी देशों पर शुल्क लगा रही है, वह सबसे तेज, सीधा और असरदार तरीका है। उन्होंने कहा कि कई देश वर्षों से अमेरिका का फायदा उठाते रहे हैं।

हथियार फ्रीज करने पर बातचीत को तैयार समझिए फिर भी कैसे और कठिन है दूसरे चरण की वार्ता?

दोहा। गाजा सीजफायर के सबसे मुश्किल दूसरे चरण से पहले हमास ने बड़ा संकेत दिया है। हमास ने साफ-साफ कहा है कि वह अपने हथियारों को फ्रीजह्ण या स्टोरह्ण करने पर बातचीत को तैयार है। ऐसे में अब सवाल खड़ा होता है कि आखिर हमास के इस बात पर सहमति के बाद भी दूसरे चरण की वार्ता कठिन कैसे है? आइए यहां इस बात को समझते हैं गाजा में जारी संघर्ष-विराम (सीजफायर) समझौते के दूसरे चरण से पहले हमास ने एक बड़ा संकेत दिया है। इसके तहत हमास ने इस बात पर जोर दिया है कि वह अपने हथियारों को 'फ्रीज' यानी इस्तेमाल न करने या 'स्टोर' यानी सुरक्षित जगह रखने पर चर्चा करने को तैयार है। यह बात हमास की राजनीतिक ब्यूरो के वरिष्ठ नेता बसम नईम ने दोहा (कतर) में कही, जहां संगठन का बड़ा नेतृत्व मौजूद है। नईम ने कहा कि हमास संघर्ष को बढ़ने से रोकने के लिए किसी भी व्यापक समाधान पर चर्चा के लिए तैयार है। यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका की मध्यस्थता में बने समझौते का अगला और सबसे पेचीदा चरण शुरू होने वाला है। बता दें कि यह संघर्ष-विराम उस दो साल साल से ज्यादा समय तक चले इस्राइली सैन्य अभियान को रोककर लागू किया गया था, जिसे इस्राइल ने 7 अक्तूबर 2023 के हमास हमले के बाद शुरू किया था। उस हमले में 1,200 से अधिक लोग मारे गए थे और 250 से ज्यादा बंधक बनाए गए थे। इसके जवाब में इस्राइल की कार्रवाई में 70,000 से ज्यादा फलस्तीनी मारे गए और गाजा का बड़ा हिस्सा तबाह हो गया। पहले चरण में दोनों पक्षों ने बंधकों और कैदियों का आदानझ्प्रदान किया। अब केवल एक इस्राइल पुलिसकर्मी के अवशेष गाजा में बचे हैं। समझिए क्या है दूसरा चरण और मुश्किल मुद्दे? अब बात अगर इस संघर्ष विराम के दूसरे तरण की करें तो समझौते का दूसरा चरण सबसे कठिन माना जा रहा है। इसमें कई बड़े मुद्दों पर सहमति बनानी होगी, जैसे कि गाजा में एक अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल की तैनाती, गाजा के संचालन के लिए एक तकनीकी (टेक्नोक्रेट) समिति का गठन, इस्राइली सेना की गाजा से वापसी और हमास का निर्शस्त्रीकरण (डिसआमार्मेंट)। ऐसे में इन सभी बिंदुओं की निगरानी एक अंतरराष्ट्रीय बोर्ड करेगा, जिसकी अध्यक्षता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास है। हथियार छोड़ने पर क्या है हमास का रुख मामले में इस्राइल की प्रमुख शर्त है कि हमास पूरी तरह हथियार छोड़ दे। देखा जाए तो यह सबसे विवादित मुद्दा है। अब ऐसे में इस मुद्दे पर नईम ने कहा कि हमास 'प्रतिरोध का अधिकार' रखता है, लेकिन यदि लंबे समय (5 10 वर्ष) की वास्तविक शांति-प्रक्रिया शुरू होती है, तो हथियारों को फ्रीज, स्टोर या रख देना संभव है। नईम ने इस बात पर भी जोर दिया कि पर यह सब 'फलस्तीनी गारंटी और सहमति' के तहत होगा। इस दौरान उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यह कोई सीधी आत्मसमर्पण प्रक्रिया नहीं होगी। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा बल पर मतभेद इसके साथ ही हमास का कई देशों जैसे इंडोनेशिया ने गाजा में सुरक्षा बल भेजने की इच्छा जताई है। लेकिन इसकी संरचना, कमान और जिम्मेदारियां अभी स्पष्ट नहीं हैं। इसपर हमास का कहना है कि यह बल केवल सीजफायर की निगरानी, सीमा पर तैनाती और उल्लंघनों की रिपोर्टिंग तक सीमित रहे। नईम ने कहा कि सुरक्षा बल को गाजा के अंदर कार्रवाई या बल प्रयोग का अधिकार नहीं होना चाहिए। गाजा के प्रशासन पर सहमति की कोशिश हमास और फलस्तीनी प्राधिकरण (पीए) के बीच गाजा के दैनिक प्रशासन के लिए एक नई तकनीकी समिति बनाने में कुछ प्रगति हुई है। सूत्रों के अनुसार, इसका नेतृत्व वेस्ट बैंक के स्वास्थ्य मंत्री माजिद अबू रमजान कर सकते हैं, जो मूलतः गाजा के रहने वाले हैं। किस बात को लेकर अभी भी जारी है आरोप-प्रत्यारोप? गौरतलब है कि पहले चरण के दौरान दोनों पक्ष एक-दूसरे पर उल्लंघन का आरोप लगाते रहे। इस्राइल कहता है कि हमास ने बंधकों की रिहाई में देरी की। वहीं फलस्तीनी अधिकारियों का कहना है कि सीजफायर लागू होने के बाद भी 370 से अधिक फलस्तीनी इस्राइली हमलों में मारे गए। ऐसे में इस्राइल का दावा है कि गाजा के उत्तरी हिस्से में अब भी करीब 200 हमास लड़ाके छिपे हुए हैं। वहीं हमास का कहना है कि इन लड़ाकों से उनका संपर्क सीजफायर के समय से ही कटा हुआ है।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अन्तर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, उत्तर रेलवे, चारबाग, लखनऊ-226005 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मद के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.सं.	निविदा संख्या	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
01	56256181	CTRB BEARING FOR TRAIN-18/EMU-US BOGIES TO DRAWING No.ICF/SK3-0-2-025 ALT"a"---- AND ICF/MD/SPECN.347 ISSUE STATUS 01, REV.00.	128 Nos	31/12/25

निविदा शर्तें — 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानी www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

निविदा नोटिस सं. ईपीएस/56/2025 3799/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-ऑक्शन सूचना

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/पी.एस., उत्तर रेलवे, लखनऊ के द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-ऑक्शन से संबंधित सूचना।

एडमिन यूनिट/जोन	लखनऊ-उ.रे.-मण्डल-वाणिज्य/उ.रे.
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	Pnu-LKO-SLN-Toi-148-25-1 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.12.2025 समय 11:30 बजे
नीलामी सूची सं./लॉट सं.	Pnu-LKO-PRG-Toi-24-25-2 (Pay and Use-Toilets)
नीलामी सूची प्रकाशन तिथि	03.12.2025
नीलामी प्रारम्भ तिथि (समस्त लॉट)	19.12.2025 समय 11:00 बजे
नीलामी बन्द करने की तिथि व समय	19.12.2025 समय 11:40 बजे
नीलामी का प्रकार	Closed Ended
वेबसाइट विवरण जहाँ पंजीकृत बोलीदाताओं द्वारा नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है	E-Auction Module of www.ireps.gov.in

3801/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

यूक्रेन के समुद्री ड्रोन रूस को रोकने में सफल

कीव। यूक्रेन अगले साल रूस पर और जटिल समुद्री हमले करने की योजना बना रहा है। ग्रुप 13 के कमांडर 13ईह्ल के अनुसार, उनके ड्रोन बेड़े ने

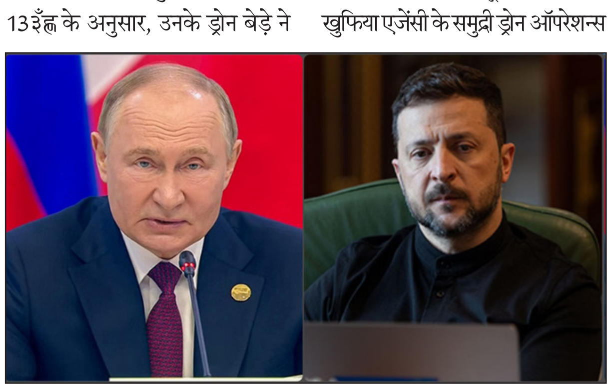

ब्लैक सी में रूसी नौसेना की हरकतों को काफी हद तक रोक दिया है। पहले जैसे हाई-प्रोफाइल हमले अब नहीं हो रहे क्योंकि रूस ने रणनीति बदल ली है। यूक्रेन अगले साल तक रूस पर और हमले करने की योजना बना रहा है। इस बात की जानकारी यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी के समुद्री ड्रोन ऑपरेशन्स कमांडर ने दी। उन्होंने कहा है कि अगले साल रूस के खिलाफ और जटिल हमले होने की उम्मीद है। उनका कहना है कि यूक्रेन का अनक्रूव्ड ड्रोन बेड़ा पहले ही रूस की ब्लैक सी नौसेना की हरकतों को काफी हद तक रोक चुका है। वहीं यूक्रेन की विशेष समुद्री ड्रोन यूनिट, ग्रुप 13 के प्रमुख, जिन्हें केवल '13इं' के कोड नाम से जाना जाता है, ने बताया कि उनके हमलों के बाद रूस को अपनी रणनीति बदलनी पड़ी है। उन्होंने कहा कि आज हमने शायद एक स्थिर स्थिति हासिल कर ली है। हम दुश्मन की हरकतों को रोक रहे हैं, लेकिन पहले जैसे बड़े और हाई-प्रोफाइल हमले अब नहीं हो रहे। इसका कारण है कि दुश्मन भी अब अपने तरीके बदल चुका है। बता दें कि पिछले महीने, यूक्रेनी अधिकारियों ने बताया था कि समुद्री ड्रोन का इस्तेमाल रूस के 'शैडो फ्लीट' यानी प्रतिबंधों को चकमा देने वाले तेल टैंकरों पर हमले में किया गया।

अमेरिका ने अपनी सुरक्षा रणनीति में किया बदलाव

मॉस्को। अमेरिका ने अपनी सुरक्षा रणनीति में किया बदलाव किया है। ट्रंप प्रशासन अब रूस को खतरा नहीं मानेगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन नीत मॉस्को प्रशासन ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए सकारात्मक कदम बताया है। रूसी प्रवक्ता पेसकोव ने कहा है कि इस बदलाव के बाद अब रूस सुरक्षा रणनीति की विस्तृत समीक्षा करेगा। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नीत प्रशासन ने अप्रत्याशित रूप से अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। इसके तहत अमेरिका अब रूस को खतरा नहीं मानेगा और उसके साथ सहयोग करेगा। रूस ने इस बदलाव का स्वागत किया है और इसे एक सकारात्मक कदम करार दिया। 2014 में क्रीमिया को रूस में मिलाने और 2022 में यूक्रेन पर हमले के बाद से अमेरिका रूस को बड़ा खतरा मानता रहा है। रूसी प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने समाचार एजेंसी तास को बताया कि अमेरिका ने शुक्रवार को 29 पन्नों का एक दस्तावेज जारी किया, जिसमें रूस को सीधा खतरा नहीं बताया गया है और रणनीतिक स्थिरता के क्षेत्र में मॉस्को के साथ सहयोग की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन की ओर से रूस- अमेरिका संबंधों के लिए भेजे गए ये संदेश निश्चित रूप से पिछले जो बाइडन प्रशासन के तरीकों से अलग हैं। पेसकोव ने कहा, हम इसे एक सकारात्मक कदम मानते हैं। क्रेमलिन अब नए अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की विस्तृत समीक्षा करेगा और इसके प्रावधानों का विश्लेषण करेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, अमेरिका के इस कदम से एक बड़ा भू-राजनीतिक बदलाव देखने को मिल सकता है। खत्म हो रहा यूरोप का वजूद, जर्मनी बोला-सलाह की जरूरत नहीं व्हाइट हाउस की ओर से जारी दस्तावेज में यूरोप की आलोचना की गई है। कहा गया कि यूरोप का वजूद खत्म हो रहा है। इसमें यूरोपीय देशों में लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की आजादी के उल्लंघन पर दुख जताया गया और इसमें सुधार की जरूरत बताई गई। अमेरिकी सरकार के अनुसार, यूरोप की समस्याओं में आप्रवासन नीति, अभिव्यक्ति की आजादी पर पाबंदी और राजनीतिक विरोधियों को दबाना, जन्म दर में भारी गिरावट और राष्ट्रीय पहचान शामिल हैं।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।